

संक्षिप्तवार्ता

ट्रक से टकराई कार के परखच्चे उड़े, 3 की मौत

बैतूल। मध्ा प्रदेश के बैतूल जिले में शनिवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मुलताई फोरलेन पर जीतू दाबे के पास करीब सुबह 3:30 बजे हुआ। तेज रफ़तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के मुताबिक, कार में सवार सभी 11 लोग महाराष्ट्र के नागपुर के पास बुट्टी बोरी कोल माईंस क्षेत्र के रहने वाले थे। वे सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचा तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और कार सीधे उसके पीछे जा भिड़ी।

हालांकि हादसे की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। टक्कर के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल आठ लोगों का उपचार जारी है।

उत्तर कोरिया ने 8,500 सैनिक रुस भेजे, यूक्रेन के अंदर कर सकते हैं टारगेट हमले

कीव। रुस-यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरिया की भूमिका अब सिर्फ सैनिक भेजने तक सीमित नहीं है। यूक्रेनी रक्षा खुफिया के डिप्टी चीफ मेजर जनरल वादिम रिक्बिल्स्की के मुताबिक रुस में मौजूद करीब 8,500 उत्तर कोरियाई सैनिकों की नई खेप में करीब 400 ड्रोन ऑपरेटर शामिल हैं। दावा है कि इन ऑपरेटरों के ड्रोन का इस्तेमाल यूक्रेन के अंदर टारगेट की निगरानी और हमले के लिए किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है जब यूक्रेन खुद एयर डिफेंस सिस्टम और इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी से जूझ रहा है। अगर यह तैनाती आगे बढ़ती है तो रुस और उत्तर कोरिया का सेन्य सहयोग एक नए लेवल पर पहुंच सकता है। यूक्रेनी खुफिया के मुताबिक सितंबर में रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की संभावित मुलाकात के दौरान रुस उत्तर कोरिया से 50,000 और सैनिकों की मांग कर सकता है।

हूती विद्रोही सऊदी पर कर रहे ताबड़तोड़ हमले

रियाद। सऊदी अरब ने पाकिस्तान और तुर्की के साथ मक्का समझौता कर लिया, लेकिन यह पूरी तरह से फुर्सत साबित हो रहा है। एक तरफ सऊदी अरब पर यमन के हूती विद्रोही ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ उसके दोस्त मुकदशक बने देख रहे हैं। हाल ही में हूतियों ने सऊदी की आर्थिक रीढ़ मानी जाने वाली तेल कच्ची अरामको को निशाना बनाया और नज्दान एयरपोर्ट पर भी हमला किया। ऐसे में सवाल उठता है कि कुछ ही दिन पहले गहरी दोस्ती का दावा करने वाले ये तीनों देश संकट में एक साथ एक्शन क्यों नहीं ले रहे हैं? सच तो ये है कि हूती विद्रोहियों के इन हमलों ने सऊदी, पाकिस्तान और तुर्की के इस डिफेंस पैक्ट की बखिया उधेड़कर रख दी हैं। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी इलाके पर दो बड़े ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली है।

समुद्री लुटेरों ने किया जहाज हाईजैक, 6 भारतीय समेत 10 को बनाया बंधक

वेब वार्ता, पुंउलैंड। सोमालिया के समुद्री लुटेरों ने एक कार्गो जहाज को हाईजैक कर लिया है। इस जहाज पर सवार 10 सदस्यीय दल में 6 भारतीय नागरिक हैं। कैमरून के झंडे वाला यह जहाज सोमवार को लुटेरों के कब्जे में आया और इसे पुंउलैंड के तट की ओर ले जाया गया। जहाज में तुर्की के हथियार, साथ ही कम्युनिकेशन और सैटेलाइट उपकरण भी लदे थे। मीडिया रिपोर्ट में सोमाली अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि जहाज

पीएम मोदी ने कहा पूरी दुनिया देख रही पीएलआई की सफलता



वेब वार्ता, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत अपने कामकाज के तौर-तरीकों में व्यापक बदलाव कर रहा है। देश अब ह्यअनुमति मिलने तक प्रतिबंधित मॉडल से आगे बढ़कर प्रतिबंधित न होने तक अनुमति की व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। सरकार नीति के स्तर पर अगली पीढ़ी के सुधार लागू कर रही है, जिससे देश में कारोबार और उत्पादन को अधिक अनुकूल माहौल मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार देर शाम एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुधार की शुरुआत सबसे पहले सोच, मानसिकता और काम करने के दायरे में बदलाव से होती है। उन्होंने कहा कि जब सोच में परिवर्तन आता है, तभी काम करने के तरीके और नीतियों में भी बदलाव दिखाई देता है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले ऐसी व्यवस्था थी, जिसमें उत्पादन बढ़ाने पर भी कई तरह की पाबंदियां और प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता था। अब सरकार की नीतियां उत्पादन बढ़ाने वालों को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि इसका उदाहरण प्रोडक्शन लिंक इसेंटिव (पीएलआई) योजना है, जिसकी सफलता को पूरी दुनिया देख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के कामकाज में भी छोटे-छोटे सुधारों के जरिए बदलाव लाया जा रहा है। भारतीय रेलवे, दिल्ली मेट्रो और नमो रैपिड रेल में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये बदलाव बताते हैं कि भारत समय के साथ खुद को बदल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में अगली पीढ़ी के सुधारों का उद्देश्य व्यवस्था को अधिक सरल, प्रभावी और विकासोन्मुख बनाना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक विकास को गति देने के लिए सरकार, उद्योग और नागरिकों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अपनी कार्यशैली में बदलाव करना होगा।

पाकिस्तान से चीनी नहीं खरीदेगा भारत केंद्र सरकार ने किया साफ



नई दिल्ली। भारत ने घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए कच्चे चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने के बावजूद पाकिस्तान से चीनी लेने से साफ इंकार किया है। यह फैसला पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि वहां के व्यापारी भारत में चीनी बेचने को बेताब दिख रहे थे। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि मई 2019 से इस्लामाबाद के साथ व्यापार पर लगी मौजूदा पाबंदियां जारी रहेंगी और उनमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में तेजी आए आपूर्ति की चिंताओं के मद्देनजर, भारत की नरेंद्र मोदी सरकार ने हाल ही में 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इस घोषणा के बाद, पाकिस्तान के चीनी उद्योग ने अपनी सरकार से भारत को चीनी निर्यात करने की संभावना तलाशने का आग्रह किया था, खासकर तब जब इस्लामाबाद भी चीनी का निर्यात बढ़ाना चाहता है। यहां तक कि पाकिस्तान ने हाल ही में 1.05 लाख टन चीनी बेचने के लिए एक वैश्विक टेंडर भी जारी किया था। हालांकि, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ किया कि पाकिस्तान को लेकर भारत का रुख और नीति स्पष्ट है, और उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने जोर दिया कि भारत को अगर चीनी की जरूरत है, तब वैश्विक बाजार में काफी अन्य विकल्प मौजूद हैं, और भारत को पाकिस्तान से चीनी लेने की आवश्यकता नहीं है। नई दिल्ली ने साफ किया है कि दुनिया के बाकी देशों से चीनी मंगाई जाएगी लेकिन पाकिस्तान से नहीं ली जाएगी।

जहाज में तुर्की के हथियार, कम्युनिकेशन और सैटेलाइट उपकरण लदे थे



बताई जा रही है और अधिकारी के मुताबिक ये वही लुटेरे हो सकते हैं जिन्होंने 26 अप्रैल को एम/वी स्वाई को हाईजैक किया था। हाईजैकर्स जहाज को पुंउलैंड के डांगोरोयो जिले में गरमाल के पास ले गए। इसके बाद तुर्की के स्वामित्व वाले दो जहाज वहां पहुंचे, और इलाके

एमपी के 1.50 लाख शिक्षकों से 15 करोड़ वसूलेगी सरकार!

परीक्षा शुल्क पर भड़के शिक्षक, निशुल्क एग्जाम की उठी मांग

वेब वार्ता, ओपाल

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत करीब 1.50 लाख प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य की गई है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए प्रत्येक शिक्षक से एक हजार रुपये रुपए परीक्षा शुल्क और 60 रुपये पोर्टल शुल्क लिया जाएगा। इस हिसाब से करीब 15 करोड़ रुपये केवल परीक्षा शुल्क के ईएसबी को मिलेगा। आवेदन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो चुकी है, जबकि आनलाइन परीक्षा 12 अक्टूबर से प्रस्तावित है।

परीक्षा शुल्क पर भड़के शिक्षक शिक्षक संगठनों ने शुल्क निर्धारण पर सवाल उठाते हुए कहा है कि संबंधित शिक्षक किसी नई नौकरी या पद के लिए परीक्षा नहीं दे रहे हैं। वे सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में सेवा में बने रहने



की पात्रता पूरी करने के लिए टीईटी देंगे। ऐसे में परीक्षा का खर्च शिक्षकों से वसूलना उचित नहीं है। संगठनों के अनुसार ईएसबी की अन्य परीक्षाओं में सामान्य वर्ग के आवेदकों से 500 रुपये और अन्य वर्गों से 250 रुपये शुल्क लिया जाता है। शासकीय शिक्षक संगठन मध्य प्रदेश ने सेवारत शिक्षकों की टीईटी निशुल्क कराने की मांग की है। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

उपेंद्र कौशल का कहना है कि परीक्षा शासन और शिक्षा विभाग के निदेशों के पालन का हिस्सा है, इसलिए इसका खर्च सरकार को उठाना चाहिए। संगठन ने ऑनलाइन के बजाय ऑफलाइन परीक्षा कराने की भी मांग की है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, तकनीकी संसाधनों और सर्वर संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए संगठन ने ऑफलाइन परीक्षा को अधिक व्यावहारिक बताया है।

शिक्षकों की सूची जारी करने की मांग

शिक्षक संगठनों का कहना है कि शिक्षा विभाग के पास सभी शिक्षकों का सेवा और शैक्षणिक रिकार्ड उपलब्ध है। विभाग को टीईटी से वंचित शिक्षकों की सूची जारी करनी चाहिए, ताकि सभी शिक्षकों से अनावश्यक रूप से आवेदन न कराया जाए। संगठनों ने मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर शुल्क माफी की मांग करने की तैयारी की है।

30 अगस्त को दिल्ली में जुटेंगे शिक्षक

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रभावित देशभर के शिक्षक 30 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जुटने की तैयारी में हैं। शिक्षक संगठन केंद्र सरकार से अध्यादेश लाने और शिक्षकों के हित में निर्णय लेने की मांग करेंगे। प्रदेश के विभिन्न शिक्षक संगठनों ने भी शिक्षकों से दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया है।

जंतर मंतर पर जातिगत आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर गैर-आरक्षित श्रेणी के लोगों और युवाओं ने जाति-आधारित आरक्षण प्रणाली और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकारी सहायता, छात्रवृत्ति और फीस में छूट जैसे लाभ जातिगत पहचान के बजाय पूरी तरह से आर्थिक स्थिति के आधार पर मिलाना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एससी/एसटी एक्ट को रद्द करने की अपील की। उनका तर्क था कि इस एक्ट का लाभ हमेशा समाज के सबसे वंचित वर्गों तक नहीं पहुंचता और इसका दुरुपयोग व्यक्तियों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से मामले में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। इसके साथ ही, प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण में क्रीमी-लेयर का नियम लाने और दशकों पुराने आरक्षण प्रावधानों की मौजूदा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखकर समीक्षा करने की भी मांग की। उनका कहना था कि हालात काफी बदल गए हैं और अब आर्थिक पिछड़ेपन को बिना किसी भेदभाव के हल करने पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए।

अंतरिक्ष क्रांति की ओर भारत: इसरो का रिसर्च और डेवलपमेंट पर फोकस



वेब वार्ता, हैदराबाद

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अभूतपूर्व दांचागत बदलाव की दहलीज पर है। संगठन अपने पारंपरिक कार्यों, जैसे रॉकेट और सामान्य उपग्रहों के निर्माण की जिम्मेदारी, धीरे-धीरे निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को सौंपने की तैयारी में है। इस रणनीतिक कदम के साथ, इसरो का पूरा ध्यान अब पूरी तरह से रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) पर केंद्रित रहेगा। जहाँ वे उन्नत तकनीकों, वैज्ञानिक

अभियानों और अंतरिक्ष अवसरंचना के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

इन-स्पेस के चेयरमैन डॉ. पवन गोयनका ने बड़े बदलाव की पुष्टि कर बताया कि रॉकेट और उपग्रहों के निर्माण का पूरा कारोबार अब निजी कंपनियों को हस्तांतरित किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के तहत, स्मॉल सैटेलाइट लांच व्हीकल (एसएसएलवी) की तकनीक और उत्पादन अधिकार पहले ही एक बली प्रक्रिया के माध्यम से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को सौंपे जा चुके हैं। इस महत्वपूर्ण बदलाव का मुख्य उद्देश्य भारत की बढ़ती

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करना है। केंद्र सरकार ने 2033 तक देश की स्पेस इकोनॉमी को वर्तमान के 8 अरब डॉलर से बढ़ाकर 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस दिशा में प्रगति जारी है, इसरो अब तक 120 से अधिक तकनीकी निजी क्षेत्र को हस्तांतरित कर चुका है। इससे एक इस तरह के वाणिज्यिक मॉडल को बढ़ावा मिलेगा, जहाँ निजी कंपनियाँ स्वयं के उपग्रहों का निर्माण कर डेटा और सेवाओं के माध्यम से राजस्व अर्जित कर सकेंगी। जबकि इसरो का पूरा ध्यान अधिक जटिल और दूरगामी वैज्ञानिक अभियानों पर बना रहेगा।

बना रही है योजना

डॉ. गोयनका ने बताया कि यह बदलाव गति पकड़ रहा है और अगले चरणों में भारत के सबसे शक्तिशाली ऑपरेशनल रॉकेट, लांच व्हीकल मार्क-3 (एलवीएम-3) और पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल (पीएसएलवी) के निर्माण की कमान भी पूरी तरह से निजी कंपनियों को सौंपी जाएगी, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त, सरकार अगले चार से पांच महीनों में एक नए लॉन्च सेंटर के संचालन के लिए निजी ऑपरेटर को अंतिम रूप देने की योजना बना रही है।

असम में जन्मी दुनिया की पहली आईवीएफ बछिया

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा.....जय जय गौ माता

वेब वार्ता, गुवाहाटी

पूर्वांतर राज्य असम ने पशुधन विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राज्य में दुनिया की पहली लखीमी नस्ल की इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) मादा बछिया का जन्म हुआ है। असम वेटनररी एंड फिशरी यूनिवर्सिटी में हुए महत्वपूर्ण जन्म को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने ऐतिहासिक बताया और जय जय गौ माता का नारा दिया।

मुख्यमंत्री सरमा ने इस मौके पर खुशी व्यक्त कर कहा कि यह उपलब्धि पशुपालन और डेयरी सेक्टर के लिए नए रास्ते खोलेगी। यह देशी नस्लों के संरक्षण, बीमारियों पर बेहतर नियंत्रण, दूध उत्पादन में वृद्धि और अंततः किसानों की आय बढ़ाने में सहायक



होगी। उन्होंने सफलता के पीछे काम करने वाले सभी पशु-चिकित्सा वैज्ञानिकों और पेशेवरों को हार्दिक बधाई दी, जिनके प्रयास राज्य में बायोटेक्नोलॉजी के लिए एक बहुत बड़ी छलांग हैं।

सरमा ने इस घटना को सभ्यता, संस्कृति और सृजन का सुंदर संगम बताया।

लखीमी गाय असम की प्रमुख स्वदेशी नस्ल है, जो अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती है। इसका दूध पौष्टिक, गाढ़ा और वसा से भरपूर होता है, जिससे बाजार में इसकी अच्छी कीमत मिलती है। वहीं, इसके मजबूत बैल धान के कीचड़ वाले खेतों में जुताई और गाड़ी खींचने के लिए आदर्श माने जाते हैं। छोटे आकार, भूरे या स्लेटी रंग, छोटे पैरों और सीधे सींगों वाली यह गाय स्थानीय वातावरण में आसानी से ढल जाती है और कम देखभाल में भी बेहतर प्रदर्शन करती है। यह वैज्ञानिक सफलता असम के कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक नए युग की शुरुआत का संकेत देती है।

कनाडा के गुरुद्वारे में युवक ने स्क्रू ड्राइवर से किया लोगों पर हमला, दो घायल

टोरंटो। कनाडा के नानकसर गुरुद्वारे में हमला हुआ जिसमें दो लोग घायल हो गए, जबकि हमलावर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक एडमॉन्टन शहर के उत्तर-पूर्वी इलाके में स्थित नानकसर गुरुद्वारे में शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे प्रार्थना चल रही थी। इसी दौरान स्क्रू ड्राइवर लेकर गए एक शख्स ने वहां पहुंचकर लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना से दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने घटना के संभावित मकसद के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

सुरक्षा को लेकर बढ़ा दी है चिंता

सोमालिया के आसपास समुद्री लूट की यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अदन की खाड़ी में भी एक अलग जहाज को हथियारबंद लोगों ने कब्जे में ले लिया। गुरुवार को अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आए सीमुल, जिसे सिबू 1 के नाम से भी जाना जाता है, उस पर छह हथियारबंद लोग सवार हुए। यूरोपीय संघ के मारीटाइम सिक्वोरिटी सेंटर इंडियन ओशियन के मुताबिक हमलावरों ने जहाज पर नियंत्रण कर लिया और उसे सोमालिया की ओर जाने के लिए मजबूर किया। अमेरिका ने इस टैंकर को पिछले साल ईरान के ह्यरैडो फ्लीटहक का हिस्सा बताते हुए प्रतिबंधित किया था। अब अप्रैल से फिर कई घटनाएं सामने आने लगी हैं और कुछ जहाजों को बंधक बनाए जाने की खबरें भी आई हैं। एम/वी लुटुफ पर छह भारतीयों के सवार होने की वजह से इस ताजा हाईजैक ने भारतीय समुद्री सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है।

संपादकीय एक मंत्री, एक यूनिवर्सिटी

अब केंद्रीय मंत्री देश के विश्वविद्यालयों में जाएंगे, पूरा दिन खर्च करेंगे, जैन-जी के चेहरों से संवाद करेंगे, उनकी तकलीफें, समस्याएं, खामियां जानने की कोशिश करेंगे, अपनी सरकार की नीतियों की साझा करेंगे और इस तरह एक व्यापक वोट बैंक के छिंकने की संभावनाओं को कम करेंगे। क्या ऐसे प्रयास, प्रत्येक सरकार के स्तर पर, निरंतर और सिलसिलेवार नहीं किए जाने चाहिए? यह योजना भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर शुरू की जा रही है। प्रधानमंत्री ने देश में जैन-जी के आक्रोश, गुस्से और आंदोलनों को भाप, समझ लिया है, लिहाजा मंत्रियों के बुनिवर्सिटीज में प्रवास की नौबत आई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने ऐसे भी निर्देश मंत्रियों को दिए हैं कि वे लगातार फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स, लिंक्डइन आदि सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहें और युवाओं से संवाद करते रहें। लोकतंत्र में ऐसे जनसंपर्क, जनसंवाद जरूरी भी हैं, लेकिन वे नियमित होने चाहिए। अब जब जैन-जी के साथ-साथ जैन-अल्पा (स्कूली छात्र) भी देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को संवाद का यह अनिवार्य सूझा है। हम इसे लोकतांत्रिक सरकार का गलत निर्णय नहीं मानते, लेकिन मंत्रियों का फोकस सोशल मीडिया और जैन-जी पर ही टिका रहेगा, तो मंत्रालयों पर ध्यान कौन देगा? मंत्रालयों के अपरिहार्य, नीतिगत निर्णयों को कौन क्रियान्वित करेगा? मंत्री की प्राथमिक और संवैधानिक जवाबदेही तो मंत्रालय के प्रति होनी चाहिए। उसी के आधार पर वह जनता के प्रति जवाबदेह साबित हो सकता है। मंत्रियों को चुनावों के मद्देनजर वोट बैंक को बचाने की कवायद में जुटना पड़ेगा, तो जॉहिर है कि मंत्रालय और सरकार के बुनियादी काम प्रभावित होंगे। जैन-जी वह पीढ़ी है, जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। इसकी आबादी करीब 37–40 करोड़ मानी जाती है। यह देश में कोई भी परिवर्तन करने में सक्षम है, क्योंकि इनमें से अधिकांश 2029 के लोकसभा चुनाव में मतदाता बनेंगे। बहरहाल देश में फिलहाल 57 केंद्रीय विश्वविद्यालय और 522 राज्य विश्वविद्यालय हैं।

उनके अलावा, 420–450 निजी तथा करीब 125 डीम्ड यूनिवर्सिटी हैं। केंद्रीय मंत्री करीब 1300 विश्वविद्यालयों में जाएंगे और जैन-जी से संवाद कर उन्हें शांत और संतुष्ट करने की कोशिश करेंगे। हमें लगता है कि यदि प्रधानमंत्री मोदी के 12–साला कालखंड में भी शिक्षा–व्यवस्था और खासकर स्कूलों की दुरावस्था पर गंभीर ध्यान दिया जाता, तो मंत्रियों को भी कंटेंट किएपर बनने की हास्यास्पद नौबत नहीं आती। शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था और बुनियादी ढांचा ही जरूर है। हमारी बुनियादी शिक्षा ऐसी है कि कक्षा–3 के 75 फीसदी बच्चे, कक्षा–5 के 50 फीसदी और कक्षा–8 के 25 फीसदी छात्र कक्षा–2 की पुस्तक पढ़ने में असमर्थ पाए गए। यह प्रथम एनजीओ की 2014–15 की सालाना रपट का निष्कर्ष है। भारतीय स्कूलों की गुणवत्ता का अध्ययन किया गया, तो 110 देशों में भारत का स्थान नौवे से दूसरा था। यह घोर निराशाजनक और भयानक आंकड़ा है। राजधानी दिल्ली में एक अध्ययन कराया गया था, जिसमें करीब 5.4 फीसदी बच्चे ही कुछ वाक्य पढ़ने में समर्थ रहे। चिंतनीय तथ्य यह है कि शिक्षा पर जीडीपी का 4.5 फीसदी बजट दिया गया था, जिसे घटा कर 2.6 फीसदी कर दिया गया है। सरसंघचालक मोहन भागवत सीधे व्यक्ति की कहते रहे हैं कि यह बजट कम्बोबेश 6 फीसदी होना चाहिए। नीति आयोग की रपटों में ही यह तथ्य सामने आया है कि देश के हजारों स्कूलों में बच्चों के लिए पेयजल, शौचालय की बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। अध्यापकों को घोर अभाव और संकट है, लिहाजा देश भर में आंदोलन किए जा रहे हैं। विश्व बैंक का लॉर्निंग पावर्टी इंडेक्स, कोरोना महामारी के बाद, बढ़ कर करीब 70 फीसदी हो गया है। अर्थात् 10 साल के अधिकांश बच्चे संपन्न पाद नहीं पढ़ पाते। हमारी शिक्षा–प्रणाली शिक्षा रूटने की विद्या सिखाती है, नतीजतन करीब 80 फीसदी स्नातकों को एक अच्छी नौकरी नहीं मिल पाती। बरेलजगारी बढ़ने का बुनियादी कारण यह भी है कि हमारे स्नातक स्तर के युवा कौशलहीन हैं। करीब डेढ़ करोड़ युवा औसतन हर वर्ष स्नातकों की डिग्री लेते हैं। करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं तक अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। उसके कई कारण हैं। ऐसे दयनीय हालात में जैन-जी का आक्रोश फूटा है, जिसे सहजता या संवाद से ही मंत्री शांत नहीं कर सकेंगे, यह हमारा आकलन है।

भारत में तेजी से बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और उपभोग के कारण विभिन्न प्रकार के कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है। प्लास्टिक कचरा, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, प्रयुक्त बैटरियां, पुराने टायर तथा प्रयुक्त तेल आज पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बन चुके हैं। केवल कचरे को एकत्र करके उसका निपटान कर देना इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है।

आलेख

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला अप्रैल 2026 में गुजरात के भावनगर का है, जहां नकली विदेशी शराब के नाम पर बेवी गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बना हुआ है। ट्रांसपैरेंसल अलायंस टू कॉन्सिट ड्रिलिस्ड ट्रेड जैसी संस्थाओं के अनुसार, भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है। यह न केवल सरकारी राजस्व को भारी चोट पहुंचाता है, बल्कि इसके कारण हर साल एक लाख से अधिक निंदोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्यटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून और समाज के सामने एक गंभीर सवाल हैं। कुछ दिन सप्ताह माह के अंतराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब

पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बेवटी है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में पहुंच जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ?

आपको बता दें कि ताजा मामला गुजरात के भावनगर जिले का है। गुजरात उन राज्यों में है जहां लंबे समय से शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद भावनगर में कथित नकली शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना सामने आई है। स्थानीय प्रशासन ने चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी, जबकि अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। शुरुआती रिपोर्टों में मौतों की संख्या कम थी, जो बाद में बढ़ी। यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है, क्योंकि जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच करे से रही है? पुलिस की शुरुआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुल्लीक्रेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया

संपादकीय

देश के नाम पर संसद में बर्बाद किए अरबों

ऐसा नहीं है कि कांग्रेस और विपक्षी दल ही संसद में हंगामा करते हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब भी यही हाल था। भाजपा के सांसद संसद में जमकर हंगामा करके संसद को ठप कर देते थे। सारे दल इस लिहाज से एक जैसे नजर आते हैं। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि संसद में अरबों रुपए बर्बाद करके जो हंगामा किया जाता है, वह देश के लोगों की भलाई के नाम पर होता है। इससे बेहतर तो यही है कि इस धन राशि को सीधे विकास कार्यों में खर्च किया जाता।

जिस देश में करोड़ों लोगों को साफ पीने का पानी, पर्याप्त बिजली, राशन, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सडक जैसी बुनियादी सुविधाएं मयसरर नहीं हैं, वहां सिर्फ आम लोगों की भलाई के नाम पर संसद में हंगामा करके अरबों रुपए स्वाह कर दिए जाते हैं। संसद में अब तक मानसून सत्र के दौरान हंगामे और व्यवधान के कारण लोकसभा में 7023 मिनट का समय बर्बाद हुआ। अर्थात प्रति मिनट करीब 2.5 लाख रुपए खर्च का अनुमान हुआ। यह आंकड़ा करीब 175 करोड़ रुपए बैठता है। देश के लोकतंत्र का मंदिर है संसद, जहां पर जनता की, उनके अधिकारों, मुद्दों की आवाज गूंजनी चाहिए। लेकिन वहां अभी तक के मानसून सत्र में सिर्फ शोर सुनाई दिया। विपक्ष का हंगामा कान के पर्दों को फाड़ रहा है। सवाल ये है कि इस शोर का बिल कौन भर रहा है ? तो जवाब है- देश की जनता। क्योंकि संसद में हर मिनट हंगामा होता है तो सिर्फ बहस नहीं रुकती, बल्कि करीब ढाई लाख रुपए भी पानी की तरह बहते रहते हैं। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया, जिससे संसद की कार्यवाही बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सका।

संसद की कार्यवाही कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपए का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है। संसद की कार्यवाही एक दिन के लिए अगर स्थगित होती है, तो इसके पीछे 9 करोड़ रुपए का घाटा होता है। इस रकम को प्रति घंटे और प्रति मिनट के आधार पर यह प्रति घंटे एक करोड़ पचास लाख यानी डेढ़ करोड़ होती है। यह आंकड़ा इस साल के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में पीठासीन स्पीकर जगदंबिका

स्कूलों के दरवाजे बंद, सवालों से क्यों डर रही हैं सरकारें ?

एक स्कूल के बाहर

जयपुर के रामपुरा-केवरपुरा गांव में सरकारी स्कूल की स्थिति देखने पहुंचे कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीणों की झड़प और मारपीट की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सीजेपी का आरोप है, इस विरोध के पीछे भाजपा समर्थक थे। उपलब्ध रिपोर्ट में भाजपा ने दावा किया है, ग्रामीणों ने कॉंग्रेस जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का विरोध करते हुए उनके साथ मारपीट कर उनके बहनों को नुकसान पहुंचाया है। इसमें भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। मुद्दा केवल यह नहीं है, जयपुर में किसने किसे पीटा। असली प्रश्न यह है, सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति देखने, उसकी तस्वीर लेने और उसे जनता के सामने रखने से किसे डर लग रहा है? राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश तथा फोटो-वीडियोग्राफ़ी के लिए प्रवानावकों की अनुमति अनिवार्य करने का अदार्थ क्यों सामने आया है? छात्रों से बातचीत करने पर क्यों रोक लगाई जा रही है? अदरेश पर सरकार का तर्क बच्चों की सुरक्षा, निजता और विद्यालय में अनावश्यक व्यवधान को रोकने की बात कही जा रही है। यह तर्क पूरी तरह से सही नहीं है। यह अदरेश ऐसे समय पर आया है जब जैन-अल्पा के स्कूली छात्र-छात्राएं अपनी मांग को लेकर कई राज्यों के कई स्थानों पर सड़क पर उतरें हैं। जब सीजेपी एवं अन्य राजनीतिक दल सरकारी स्कूलों की बढहाल

स्थिति को लेकर अभियान चला रहे हैं, तब स्वाभाविक रूप से पारदर्शिता और सच को छुपाने को लेकर सवाल उठते हैं।

उत्तर प्रदेश में भी बिना अनुमति सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों और यूट्यूबर्स के प्रवेश पर रोक की खबर है। वहां भी प्रशासन का तर्क सुरक्षा और पढ़ाई में व्यवधान बताया गया है। यह कहना कि दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें अपनी कमियां छिपाना चाहती हैं। पारदर्शिता और सुरक्षा के बीच मतुलन कैसे बनाया जा सकता है, यह सवाल जरूर महत्वपूर्ण है। दूसरी तरफ भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े छात्र संगठनों की सक्रियता को इसी व्यापक राजनीति से जोड़ा जा रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा भाजपा से जुड़े हुए अनुवांशिक संगठन लंबे समय से विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश करके वहां हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन पर इस तरीके की कोई रोक-टोक नहीं है। यदि कोई संगठन स्कूल-कॉलेजों की समस्याओं को देखकर और सुनकर समाधान के लिए प्रशासन और सरकार के सामने लाना चाहते हैं, तो लोकतंत्र में उसका स्वागत होना चाहिए। वही अधिभार विपक्षी दलों और स्वतंत्र समाजिक संगठनों को भी मिलना चाहिए। इसको लेकर राजनीति शुरू हो गई है। शिक्षा संस्थान किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं है। वे जनता के पैसे से चलते हैं। वहां पढ़ने वाले बच्चे समाज के

भविष्य हैं। स्कूल की दृष्टि छट, जर्जर भवन, शिक्षक की कमी, शौचालय, पेयजल, प्रयोगशाला या पाठ्यपुस्तकों की कमी की किसी भी समस्या को उजागर करने वाला व्यक्ति राजनीतिक विरोधी हो सकता है। कम उम्र के छात्रों की समस्या को खम करने की जिम्मेदारी सरकार की ही होगी। शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकार में शामिल है। ऐसी स्थिति में कम उम्र के छात्रों के अधिकार को कैसे छिना जा सकता है।

जयपुर की घटना इसलिए गंभीर है, क्योंकि सीजेपी शिक्षा एवं परीक्षा संबंधी मुद्दम को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। राजस्थान में प्रशासन, पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं से टकराव की खबरें सामने आना चिंता का कारण है। कुछ दिन पहले अलवर में जर्जर स्कूल को लेकर सीजेपी अभियान के बाद सरकार द्वारा मांय स्वीकार किए जाने की रिपोर्ट आई थी। इसका अर्थ यह है कि दबाव बनाने वाली सक्रियता से व्यवस्था में सुधार लाया जा सकता है। राजनीति का सबसे खतरनाक रूप तब सामने आता है, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जंग मुद्दे पर नहीं, बल्कि एक-दूसरे को मैदान से हटाने के लिए होने लगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने किसी संगठन के कार्यकर्ताओं पर हमला किया है ? तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। यदि सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने बिना अनुमति स्कूल में प्रवेश किया या स्थानीय लोगों को आपत्ति थी, उसके लिए कानून के

तहत शान्तिपूर्ण ढंग से प्रतिक्रिया होनी चाहिए। भीड़ को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सोशल मीडिया पर चल रहे जैन जैंड और जैन अल्फा से जुड़े आंदोलनों को लेकर भी राजनीतिक दलों में नई रणनीतियां बनाा शुरू कर दी हैं। छात्र एवं युवा अब अशवासन राजनीतिक भाषण नहीं सुनता है। वह अपनी समस्याओं का समाधान निश्चित समय सीमा पर चाहता है। वह सवाल का जवाब भी तुरंत चाहता है। आने वाले समय में शिक्षा, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, फीस, डिजिटल अधिकार और सरकारी संस्थानों की पारदर्शिता बड़े राजनीतिक मुद्दे बनेंगे, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। भाजपा और संग्र परिवार यदि युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में सक्रियता बढ़ाते हैं। इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप विपक्षी दल भी ऐसा करने का प्रयास करेंगे। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष को समान अधिकार प्राप्त हैं। मुकाबला होना चाहिए,विचारों में हिंसा का कोई स्थान नहीं है।

सरकार के लिए सबसे अखर रास्ता स्कूलों के दरवाजे बंद करना है, स्कूलों की समस्याओं को जवाबदेही के साथ सुलझाना और पारदर्शी बनाना है। कोई भी कैमरा वहां की व्यवस्था की सच्चाई को दिखाएगा, तो व्यवस्था से जुड़े हुए लोग जवाबदेह होंगे। सरकार को इसमें शामिल होने के स्थान पर, जिन अधिकारियों के ऊपर इसकी जिम्मेदारी थी, उनके ऊपर

कचरा प्रबंधन से परिपन्न अर्थव्यवस्था की ओर

कचरा प्रबंधन

उत्पादक उत्तरदायित्व की अवधारणा विभिन्न कचरा प्रबंधन नियमों के माध्यम से विकसित हुई है। प्लास्टिक कचरे के लिए प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 में इसके प्रावधान किए गए और बाद में संशोधनों के माध्यम से विस्तृत उत्तरदायित्व व्यवस्था विकसित की गई। इसी प्रकार ई-कचरा प्रबंधन नियम 2022 के अंतर्गत विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उत्पादकों के लिए पुनर्वर्णन संबंधी दायित्व निर्धारित किए गए हैं। ये नियम 1 अप्रैल 2023 से लागू हुए। इनके अंतर्गत उत्पादकों को निर्धारित पुनर्वर्णन लक्ष्य पूरा करना होता है और यह कार्य पंजीकृत पुनर्वर्णकृताओं के माध्यम से किया जाता है। बेटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2022 के अंतर्गत भी उत्पादकों के लिए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया है। वर्तमान में यह व्यवस्था प्लास्टिक कचरे, ई-कचरे, बेटरी कचरे, अपशिष्ट टायर तथा प्रयुक्त तेल जैसे विभिन्न कचरा प्रवाहों तक विस्तारित हो चुकी है। विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व की कार्यप्रणाली में उत्पादक अपने दायित्व के अनुसार संबंधित प्राधिकरण के समक्ष पंजीकरण करता है। इसके बाद उसके द्वारा बाजार में उतारे गए उत्पाद अथवा पैकेजिंग की मात्रा के

आधार पर निर्धारित दायित्व पूरा करना होता है। कचरे को एकत्र करने के बाद उसे अधिकृत या पंजीकृत पुनर्वर्णकृताओं तक पहुंचाया जाता है। पुनर्वर्णकृताओं वास्तविक रूप से पुनर्वर्कित कचरे की मात्रा का अभिलेख रखते हैं। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार पुनर्वर्णक के आधार पर प्रमाणित जारी किए जा सकते हैं, जिनका उपयोग उत्पादक अपने दायित्व की पूर्ति के लिए करता है। इस प्रकार उत्पादन, उपभोग, कचरा संग्रहण और पुनर्वर्णन के बीच एक उत्तरदायी व्यवस्था स्थापित होती है।

प्लास्टिक कचरा प्रबंधन में विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व की विशेष भूमिका है। प्लास्टिक पैकेजिंग के बढ़ते उपयोग के कारण उसके उपयोग के बाद उचित संग्रहण और पुनर्वर्णन आवश्यक हो गया है। उत्पादकों, आयातकों और ब्रांड स्वामियों को अपने द्वारा बाजार में प्रस्तुत प्लास्टिक पैकेजिंग से संबंधित निर्धारित दायित्वों को पूरा करना होता है। इससे प्लास्टिक के संग्रहण, पुनर्वर्णन और उचित निपटान की व्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। इसका उद्देश्य केवल प्लास्टिक को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना नहीं, बल्कि उसे पुनः उत्पादन प्रक्रिया में

उपयोग योग्य संसाधन में बदलना है। इसी प्रकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बढ़ते उपयोग से ई-कचरे की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, टेलीविजन और अन्य विद्युत उपकरणों में अनेक उपयोगी बाहुरंगी तन्त्रा तन्त्रा पदार्थ मौजूद होते हैं, जिन्हें वैज्ञानिक तरीके से पुनर्वास किया जा सकता है। दूसरी ओर, इसमें कुछ हानिकारक पदार्थ भी हो सकते हैं, इसलिए इनका अनियंत्रित निपटान पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

ई-कचरा प्रबंधन नियम 2022 के अंतर्गत उत्पादकों के लिए पुनर्वर्णन लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और उनके दायित्व की पूर्ति पंजीकृत पुनर्वर्णकृताओं के माध्यम से सुनिश्चित की जाती है। विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व को सफल बनाने में ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतें घर-घर करारा संग्रहण, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्र की स्थापना तथा अधिकृत पुनर्वर्णकृताओं से संपर्क की व्यवस्था विकसित कर सकती हैं। घरों से अलग-अलग प्रकार का कचरा एकत्र करके उसे सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्र में वगीकृत किया जा सकता है और उपयोगी सामग्री

को अधिकृत पुनर्वर्णकृताओं तक भेजा जा सकता है। इस व्यवस्था में स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों, कचरा संग्रहकर्ताओं और स्थानीय उद्यमियों को भी जोड़ा जा सकता है। इससे संरक्षकों के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार और स्थानीय आय के अवसर भी बढ़ सकते हैं। विस्तारित उत्तरदायक उत्तरदायित्व और परिपन्न अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। पारंपरिक अर्थव्यवस्था में कच्चा माल लेकर उत्पाद बनाया जाता है, उसका उपयोग किया जाता है और अंत में उसे कचरे के रूप में फेंक दिया जाता है। इसके विपरीत परिपन्न अर्थव्यवस्था का उद्देश्य संसाधनों को अधिकतम समय तक आर्थिक गतिविधियों में बनाए रखना है। इसमें उत्पादों का पुनः उपयोग, मरम्मत, पुनर्वर्णन और संसाधनों की पुनर्प्राप्ति की जाती है। विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व इस परिवर्तन को गति प्रदान करता है और उत्पादकों को ऐसे उत्पाद बनाने के लिए प्रेरित करता है जिनका जीवनकाल अधिक हो तथा जिनका पुनः उपयोग हो सके।

अरविंद गुजेरिया बीडीओ, नारकंडा

नई दिल्ली, रविवार 23 अगस्त 2026

है। दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, संसद सुरक्षा सेवा, 24 घंटे चलने वाला सीसीटीवी नेटवर्क, आधुनिक स्कैनर और बायोमेट्रिक सिस्टम, ये सब तब भी चलते रहते हैं जब सदन में काम ठप हो जाता है। मतलब देश के खजाने के खर्च का मीटर लगातार घूमता रहता है। लोकसभा में कार्यवाही स्थगित करने का अधिकार स्पीकर यानी अध्यक्ष के पास होता है। राज्यसभा में यह अधिकार सभापति की कुर्सी पर बैठे उपराष्ट्रपति या उनकी गैरमौजूदगी में बैठक को संचालित कर रहे उपसभापति या पीठासीन अधिकार के पास होता है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने का मतलब है कि सदन की बैठक को कुछ समय के लिए या फिर पूरे दिन के लिए रोक दिया जाए। सदन में व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होने पर वह अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। सवाल यह भी है कि क्या विपक्ष जानबूझकर हंगामा करता है ? लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से जवाब मांगना भी होता है। कई बार विपक्ष की तरफ से चर्चा की मांग, जांच की मांग, मंत्री का बयान, प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति को लेकर विरोध किया जाता है। अगर उसकी मांग स्वीकार नहीं होती तो विरोध तेज हो सकता है।

वहीं दूसरी तरफ सरकार का कहना होता है कि चर्चा नियमों के अनुसार होनी चाहिए और बाधा होने से जनता का काम रुकता है। इसलिए हर मामले को राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में देखना चाहिए। कई बार विपक्ष आरोप लगाता है कि चर्चा की अनुमति नहीं दी गई, जरूरी मुद्दों पर समय नहीं दिया गया, जवाब नहीं दिया गया। जबकि सरकार का पक्ष होता है कि विपक्ष जानबूझकर कार्यवाही नहीं चलने देता। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस और विपक्षी दल ही संसद में हंगामा करते हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब भी यही हाल था। भाजपा के सांसद संसद में जमकर हंगामा करके संसद को ठप कर देते थे। सारे दल इस लिहाज से एक जैसे नजर आते हैं। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि संसद में अरबों रुपए बर्बाद करके जो हंगामा किया जाता है, वह देश के लोगों की भलाई के नाम पर होता है। इससे बेहतर तो यही है कि इस धन राशि को सीधे विकास कार्यों में खर्च किया जाता। लगता यही है कि किसी को इस तरह की बर्बादी का अप्सोस नहीं है। देश के लोग इस मामले में लाचार बने हुए हैं। किसी दोषी ठठठाराएं और किसे सही, लेकिन इतना जरूर है कि यह नौबत देश को लोकतांत्रिक व्यवस्था और आम लोगों के हित में नहीं है।

योगेंद्र योगी, स्वतंत्र लेखक

संक्षिप्तवार्ता

आईपीयू में जलवायु-अनुकूल पर्यावरण प्रबंधन पर तकनीकी संगोष्ठी आयोजित

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ समुदाय : बड़े प्रभाव के लिए छोटे कदम थीम के तहत वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण पर तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय बदलावों के बीच मलेरिया, डेंगू सहित वेक्टर जनित रोगों के बढ़ते जोखिम पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को आईपीयू के सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज (सीएससीसी), यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट (यूसईएम) ने आईसीएमआर-राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर), कैराह वुमेन फाउंडेशन और दिल्ली नगर निगम के सहयोग से किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता यूसईएम के डीन प्रो. वरुण जोशी ने की। तकनीकी सत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एनसीडीसी से डॉ. आकाश श्रीवास्तव ने जलवायु जनित डेंगू और मलेरिया जोखिम ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। कैराह वुमेन फाउंडेशन की डॉ. रूप कुमारी ने जलवायु परिवर्तन, वेक्टर जनित रोगों और एकीकृत वेक्टर प्रबंधन के बीच संबंधों पर विचार रखे।

महापौर ने प्रशांत विहार में मेगा मार्च में लिया भाग

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने उत्तर पश्चिम क्षेत्र के प्रशांत विहार में शनिवार को मेगा मार्च का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि निगम दिल्ली को स्वच्छ, कूड़ा मुक्त एवं हरित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित मेगा मार्च में लगभग दो किलोमीटर चलकर श्रमदान किया एवं सड़क पर झाड़ू भी लगाई। उन्होंने सड़क किनारे लगे पेड़ों की छटाई करने के निर्देश दिए और सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए।

प्रवेश वाही ने सड़कों के गड्ढों को भरने के लिए अधिकारियों को आदेश दिए। मेगा मार्च के दौरान मच्छर मारने वाली कीटनाशक दवा का भी छिड़काव किया गया। नगरिकों को जागरूक करने के लिए स्वच्छता के ऊपर एक नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया।

रील बनाने के विवाद में किशोर को चाकू से गोदा

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। बाहरी दिल्ली के नांगलोई और मंगोलपुरी रेलवे स्टेशनों के बीच रील बना रहे एक 17 वर्षीय किशोरी की तीन लड़कों ने चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट ने कल की गुलथी को सुलझाते हुए तीन किशोरों को पकड़ लिया। रेलवे पुलिस के मुताबिक, गुरुवार शाम करीब छह बजे मंगोलपुरी का रहने वाला 17 वर्षीय पीड़ित अपने दो दोस्तों मुन्ना गुप्ता और एक अन्य नाबालिग के साथ राजा पार्क ओद्योगिक क्षेत्र के घर रेलवे ट्रैक पर मोबाइल से रील बना रहा था। तभी वहां से गुजर रहे तीन लड़के उनके पास आए और रील बनाने में दखल देने लगे।

मूल अपराध की प्राथमिकी में मिली सुरक्षा स्वतः पीएमएलए मामले में लागू नहीं होगी: अदालत

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि मूल अपराध से जुड़ी प्राथमिकी में मिली सुरक्षा का मतलब यह नहीं है कि वह धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही अलग और स्वतंत्र कार्यवाही में भी लागू होगी।

उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी पीएमएलए मामले में अभियोजन का सामना कर रहे एक कारोबारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। इसने याचिकाकर्ता की इस दलील को मानने से इनकार कर दिया कि

दिल्ली के हॉस्टल में मृत पाई गई 19 साल की नर्सिंग छात्रा, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में एक हॉस्टल के कमरे में बीएससी नर्सिंग की 19 साल की थर्ड-इयर की छात्रा मृत पाई गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और उसकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगा रही है।

दिल्ली के नजफगढ़ की रहने वाली यह छात्रा शुक्रवार को अपने हॉस्टल के कमरे में फंद से लटकी हुई पाई गई। उसके साथ रहने वाले छात्रों ने उसे देखा था। उसे तुरंत मेडिकल मदद के लिए सर गंगा राम अस्पताल ले जाया गया, जहां अधिकारियों को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर राजेंद्र नगर पुलिस स्टेशन के

दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश : उमस से राहत, वायु गुणवत्ता में भी सुधार



नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली-एनसीआर में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। शनिवार सुबह हुई हल्की से मध्यम बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। इस बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से काफी राहत मिली है।

मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले कुछ दिनों तक यह राहत बनी रहेगी और

लगातार बादल छाए रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 22 अगस्त को आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं हवा में नमी का स्तर काफी ऊंचा बना हुआ है।

दिल्ली: पुलिस ने 15 साल से फरार रंगदारी के मामले में 72 वर्षीय आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने एक ऐसे अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो जबर्न वसूली के एक मामले में करीब 15 साल से फरार चल रहा था।

दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और राजस्थान में बड़े पैमाने पर अंतर-राज्यीय तलाशी के बाद स्पेशल सेल की साउथ-वेस्टर्न रेंज की टीम ने राजस्थान के जयपुर के रहने वाले 72 वर्षीय आरोपी हरि सिंह शेखावत को गिरफ्तार किया। यह मामला 2008 का है, जब शेखावत ने एक बड़ी मल्टीनेशनल गारमेंट कंपनी में काम करते हुए कथित तौर पर उससे पैसे ऐंठने की कोशिश की थी। इस घटना के बाद स्पेशल सेल पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 384, 389, 506 और 5 1 1 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अधिकारियों के अनुसार, इसके बाद शेखावत कई बार अदालत में पेश नहीं हुए और कानूनी कार्यवाही से बचते रहे। लगातार पेश न होने के कारण अदालत ने 2 अप्रैल, 2016 को उन्हें हथोषित अपराधीह्म करार दिया। सनसनीखेज अपराधों में शामिल फरार अपराधियों और भगोड़ों का पता लगाने की हालिया कोशिशों को देखते हुए ऐसे अपराधियों का पीछा करने और उन्हें आगे अपराध करने से रोकने के लिए एसडब्ल्यूआर/स्पेशल सेल की एक टीम बनाई गई थी।

एसीपी पूरन चंद्र पत की देखरेख में इंसपेक्टर सदीप



यादव और इंसपेक्टर नीरज कुमार ने टीम का नेतृत्व किया। अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर निगरानी की और उन अपराधियों का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जो लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि एक महीने से ज्यादा समय तक की कड़ी छानबीन के बाद यह पता चला कि शुरू में वह इस मामले में कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गुजरात चला गया था और बाद में राजस्थान चला गया।

जांचकर्ताओं को पता चला कि शेखावत ने शुरू में रंगदारी के मामले से जुड़ी कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गुजरात का रुख किया था। इसके बाद वह राजस्थान चले गए, जहां वह छिपकर रहे और कई सालों तक गिरफ्तारी से बचते रहे। 13 अगस्त को स्पेशल सेल की टीम को पक्की जानकारी मिली कि लंबे समय से लंबित मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार आरोपी राजस्थान के जयपुर में छिपा हुआ है।

आईआईटी दिल्ली के छात्र ने छठी मंजिल से कूदकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के आईआईटी कैंपस में एक छात्र ने कथित तौर पर छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्र की पहचान ऋषिकेश कुमार के रूप में हुई है, जो आईआईटी दिल्ली से एमएससी (फिजिक्स) की पढ़ाई कर रहा है। वह सेकेंड ईयर का छात्र था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, ऋषिकेश कुमार ने कथित तौर पर आईआईटी दिल्ली के शैक्षणिक परिसर में लेकर हॉल कॉम्लेक्स की छठी मंजिल से

छलांग लगाई।

पुलिस ने बताया कि बताया गया कि सुबह लगभग 8.33 बजे किशनगढ़ थाने को एक पीसीआर कॉल मिली कि आईआईटी दिल्ली कैंपस में एक छात्र इमारत से कूद गया है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को आईआईटी दिल्ली कैंपस के

अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, छात्र ऋषिकेश सुबह लगभग 8 बजे वह मुख्य गेट से आईआईटी दिल्ली कैंपस में दाखिल हुआ था। इसके बाद वह लेकर हॉल कॉम्लेक्स गया, लिफ्ट से छठी मंजिल पर पहुंचा और इमारत के सामने

दिल्ली: निहाल विहार में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप



बाहरी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में 31 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय गुप्ता की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने इस वारदात के लोगों को जिम्मेदार ठहराते हुए हत्या का आरोप लगाया है।

नई दिल्ली, वेब वार्ता

परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग समझौते और सुलह के बीच कहकर विनय के घर पहुंचे थे। आरोप है कि घर पहुंचते ही उन्होंने विनय के साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी। मृतक की मां का कहना है कि



दिल्ली में बीच सड़क पर आग का गोला बनी कार, बाल-बाल बची जान

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली में बीच सड़क पर एक चलती हुई कार आग का गोला बन गई और वह धू-धू कर जलने लगी। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, गंभीमत यह रही कि इस घटना में किसी के हाताहत होने की कोई खबर नहीं है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है।

घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह घटना रायसीना रोड की बताई जा रही है। बताया गया कि शुक्रवार को एक परिवार कार में सवार होकर कहीं जा रहा था, तभी अचानक कार में आग लग गई। हालांकि, राहत की बात यह रही है कि इस घटना में जनहानि की कोई खबर नहीं है, कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। दिल्ली के रायसीना रोड से सामने आई आगजनी की घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। आग लगने की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल, आग को बुझा लिया गया है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। साथ ही मामले आगे की अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है। दिल्ली के रायसीना रोड में चलती कार में आग लगने के मामले में कार मालिक का बयान भी सामने आया है। कार के मालिक का कहना है, "मैं अपने परिवार को लेने जा रहा था। अचानक मेरी कार गर्म होने लगी, लेकिन मुझे इसका पता नहीं चला। दूसरे व्यक्ति ने मुझे इस बारे में बताया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वीआईटी में कार्बिड का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज तमिलनाडु में वैद्युत स्थित वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) में 'सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च इन बैक्टिरियोफेज एंड इंफेक्शियस डिजीजेज' (कार्बिड) का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा आज अनुसंधान से समाधान और नवाचार से जनकल्याण की दिशा में नई ऊंचाइयां छू रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के सहयोग से स्थापित यह केंद्र संक्रामक रोगों के क्षेत्र में अत्याधुनिक शोध को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान स्वस्थ भारत के संकल्प को मजबूत करते हुए वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान में भारत की भूमिका को और सशक्त बनाएंगे।

उल्लेखनीय है कि आईसीएमआर द्वारा फंड किए गए प्रतिष्ठित एक्स्ट्रा-म्यूरल सेंटर फॉर



एडवांस्ड रिसर्च प्रोग्राम के तहत वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में डॉ एन रमेश ने कार्बिड की स्थापना की। कार्बिड जानलेवा बैक्टिरियल इन्फेक्शन से निपटने के लिए बैक्टिरियोफेज और इलासोलेजन, कैरेक्टराइजेशन और इलाज में उनके इस्तेमाल से जुड़ी अत्याधुनिक रिसर्च को आगे बढ़ाने

फतेह नगर में सफेदी के दौरान ऊंचाई से गिरे दो मजदूर, एक की मौत

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। पश्चिमी जिले के फतेह नगर इलाके में शुक्रवार को सफेदी का काम करते समय ऊंचाई से गिरने के कारण एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

पर भी हमला किया। मेरी आंखों के सामने सब कुछ अंधेरा हो गया। घर में हमारे अलावा कोई और नहीं था। उसने सीसीटीवी कैमरे बंद करवा दिए थे।

मुत्क की बहन ने कहा कि मैं अपने ससुराल में थी। घर पर मेरे माता-पिता और भाई अकेले थे। सुबह किसी बात पर उनकी बहस हुई और वह गुस्से में घर से निकल गई। सिर्फ 10 मिनट के अंदर ही वह अपने परिवार के छह लोगों के साथ वापस आ गई। वह उन्हें ऊपर ले गई। मेरी मां उन्हें पानी देने की तैयारी कर रही थीं, यह सोचकर कि मेहमान आए हैं। लेकिन उन्होंने पानी लेने से मना कर दिया, मेरे भाई के बाल पकड़कर उसका गला दबाया और उसकी हत्या कर दी।

जारी है कानूनी कार्रवाई

घर से निकलने से पहले, उन्होंने जानबूझकर सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए थे। यह पूरी तरह से पहले से तय साजिश थी। उनके भाई सिर्फ 10 मिनट में पहुंच गए, जबकि उनका घर आधे घंटे की दूरी पर है। सब कुछ पहले से ही प्लान किया गया था। विनय गुप्ता की शादी करीब साढ़े तीन साल पहले हुई थी और उनके जुड़वां बच्चे हैं। वह नोएडा की एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम करता था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है। मामले में जांच और कानूनी कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्तवार्ता

गुम हुई बच्ची को 20 मिनट में जीआरपी ने ढूढ मां से मिलाया

वेब वार्ता, कानपुर।। आपरेशन मुस्कान के अर्न्तगत कानपुर सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सकुलैटिंग एरिया, टिकट घर, यात्री प्रतीक्षालय पर चेकिंग के दौरान एक महिला यात्री नैना पत्नी राजवीर निवासी परमापुर थाना परमापुर जिला फरुख़ाबाद ने सूचना दिया कि उसकी बेटी खुशी (02) (काल्पनिक) खो गयी है और काफी ढढने के बाद भी वह नहीं मिली। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह ने टीम के साथ बच्ची को ढूढना शुरू किया और काफी खोजबीन करने पर करीब 20 मिनट बाद प्लेटफार्म 4/5 पर बचवी मिल गयी। बच्ची की मां ने जीआरपी एवं आरपीएफ पुलिस का धन्यवाद दिया।

प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह ने बताया कि एक महिला नैना उनके पास अपनी दो वर्ष की बचवी खो जाने की सूचना दी। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एसआई विनोद कुमार यादव, मुकुन्द लाल यादव, अरविन्द गुप्ता व व्‍युआरटी टीम, प्लेटफार्म ड्यूटी व कार्यालय को आरपीएफ कन्‍ट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पहनावा व हुलिया के आधार पर बालिका की तलाश शुरू की और करीब 20 मिनट बाद उसे 4/5 प्लेटफार्म से सकुशल बरामद कर लिया। बच्ची की मां ने जीआरपी पुलिस का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 255 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शनिवार को जिले में आयोजित समारोहों में 255 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। गोपागम विधानसभा क्षेत्र के पिहानी स्थित एनएस रिसोर्ट एंड मैरिज लॉन में आयोजित समारोह में पिहानी के 55, टंडियावां के 53, नगर पिहानी के चार और गोपामऊ के छह जोड़ों सहित कुल 118 जोड़ों ने एक-दूसरे का हाथ थामा। वहीं, शाहाबाद के रॉयल मैरिज लॉन में आयोजित समारोह में शाहाबाद विकासखंड के 64, टोडरपुर के 63 और नगर क्षेत्र शाहाबाद के 10 जोड़ों सहित कुल 137 जोड़ें परिणय सूत्र में बंधे। गोपागम के कार्यक्रम में विधायक श्याम प्रकाश, ब्लाक प्रमुख, चेयरमैन एवं नोडल अधिकारी तथा शाहाबाद में राज्यमंत्री रजनी तिवारी, ब्लाक प्रमुख, चेयरमैन एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद और समृद्ध दंपत्य जीवन की कामना की।

समारोह में नवविवाहित जोड़ों को शासन की ओर से उपलब्ध कराई गई विवाह सामग्री भी प्रदान की गई। उत्सव के उल्लास और आत्मीयता के बीच विवाह के पवित्र बंधन में बंधे जोड़ों के चेहरी पर नई जिंदगी की खुशियां साफ झलक रही थीं। अतिथियों ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सहारा बन रही है। योजना न केवल बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी में परिवारों का संबल बढ़ा रही है, बल्कि सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता की भावना को भी मजबूत कर रही है।

भाजपा जिला पदाधिकारियों की बैठक में चुनावी तैयारियों पर मंथन

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई।भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय में हुई। बैठक में आगामी चुनावों की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों और चुनावी रणनीति को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता, निष्ठा और समर्पण के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि आगामी चुनाव को देखते हुए संगठन को बू्थ स्तर तक और अधिक मजबूत व सक्रिय बनाना प्राथमिकता है। प्रत्येक पदाधिकारी अपने क्षेत्र में नियमित जनसंपर्क बढ़ाने के साथ कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद और समन्वय बनाए रखे। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। बू्थ स्तर पर सक्रियता, मतदाताओं से निरंतर संपर्क और बेहतर संगठनात्मक समन्वय के बल पर पार्टी आगामी चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल करेगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अनुशासन और पूरी ऊर्जा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, प्रीतेश दीक्षित, सौरभ सिंह गौर, आकाश सिंह, अजय शुक्ला, अलका गुप्ता, महेंद्र सोनी, जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, सत्येंद्र राजपूत, इ. ओम वर्मा, जिला मंत्री नीतू चंद, दीपा विश्वास, अमरेंद्र अर्कवर्शी, गोपाल त्रिपाठी, सत्यम शुक्ला, रितेश गुप्ता, निर्देश राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी अतुल सिंह, सह मीडिया प्रभारी परेश लोहिया, आयुष कुमार सिंह, जिला कार्यालय मंत्री आजाद भदौरिया, सह कार्यालय मंत्री अर्जुन सिंह, जिला सह सोशल मीडिया संयोजक ऋतुराज त्रिपाठी, जिला सह प्रचार मंत्री विनोद वर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह गुड्डा, अभय दीक्षित सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महंगी चीनी के विरोध में सपा नेता ने लगाया स्टॉल, 20 किलो बेची चीनी

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। चीनी की बढ़ती कीमतों के विरोध में समाजवादी पार्टी के नेता रामज्ञान गुप्ता ने शनिवार को अनाखे अंडाज में प्रदर्शन किया। उन्होंने महिला जिला प्चिकित्सालय के बाहर स्टॉल लगाकर महिलाओं को 20 प्रति किलो की दर से चीनी उपलब्ध कराई और बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरा।रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी और खासकर मध्यमवर्गीय परिवारों को रसोई का



बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि बाजार में चीनी के दाम करीब

वेब वार्ता, कुशीनगर

कुशीनगर जिले के बड़ी.गंडक नदी का जलस्तर घटने-बढ़ने के बावजूद छितौनी तटबंध के स्पर ए पर शुक्रवार को भी नदी का दबाव बना रहा। नदी की धारा से क्षतिग्रस्त हिस्से को सुरक्षित करने के लिए बाढ़ खंड की टीम बचाव कार्य में जुटी रही। स्थिति का जायजा लेने बाढ़ खंड के अधीक्षण अभियंता जयप्रकाश सिंह और अधिशासी अभियंता महेश सिंह मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मदनपुर सुकरौली और सिसई दधीच गांव के पास तटबंध के किमी 4/5 के बीच स्थित स्पर ए के

एटीएम चोरी का खुलासा, एक गाड़ी समेत छह बैटरियां व यूपीएस बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार



वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। संडीला पुलिस ने एटीएम से बैटरियां, स्टेबलाइजर और यूपीएस चोरी किए जाने के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की छह बैटरियां, एक स्टेबलाइजर, अलग-अलग हिस्सों में यूपीएस और चोरी में प्रयुक्त टाटा 409 वाहन बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 21 अगस्त को एटीएम पार्टनर इंडिया-1 के अधिकृत पार्टनर अंकित अग्रवाल ने संडीला थाने में तहरीर देकर बताया था कि संडीला चौराहे से लखनऊ जाने वाली सड़क पर स्थित एटीएम से अज्ञात चोर बैटरियां, स्टेबलाइजर और यूपीएस चोरी कर ले गए हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने किंशु पुत्र ब्रूजेश निवासी नगला उम्मेद, थाना गंजडुवारा, जनपद कासगंज तथा शिवकान्त पुत्र राजेन्द्र निवासी ग्राम अगदाद नगडोली, थाना सिकन्दरपुर, जनपद कासगंज को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से चोरी का सामान और टाटा 409 वाहन बरामद किया।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक भूपेन्द्र सिंह, कांस्टेबल शाव्य, कांस्टेबल भानूरावत और कांस्टेबल हिवाज शामिल रहे।

राजकीय इंटर कॉलेज में डीएम-एसपी ने विद्यार्थियों से किया संवाद

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। जिलाधिकाारी अनुनय झा एवं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मोघा ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया। अधिकारियों ने छात्रों से उनकी पढ़ाई, भविष्य की योजनाओं और विभिन्न विषयों पर बातचीत करते हुए उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

जिलाधिकाारी ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से पढ़ाई करने, समय का

क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत एसडीओ संजय कुमार गौड़ के नेतृत्व में कराई जा रही है। नदी के दबाव को कम करने के लिए तार की जाली यानी कैरेट में बड़े-बड़े पत्थर डालकर सुरक्षा लेयर तैयार की जा रही है। बाढ़ खंड की टीम लगातार मौके पर निगरानी बनाए हुए है नदी के निशाने पर आया पुराना पीपल का पेड़ फिलहाल सुरक्षित है, लेकिन उसके चबूतरे में दरार पड़ गई है। इससे पेड़ के कभी भी गिरने की आशंका है।

बाढ़ खंड के अधिकारियों का कहना है कि मुख्य तटबंध को फिलहाल किसी तरह का खतरा नहीं है। शनिवार सुबह आठ बजे बड़ी गंडक नदी का डिस्चार्ज 88,300 क्यूसेक रहा। कल शुक्रवार को शाम चार बजे तक यह



बढ़कर 1.14 लाख क्यूसेक हो गया था। भैसहा गेज स्थल पर शाम के समय नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 12 सेंटीमीटर नीचे 94.88 मीटर दर्ज किया गया।

इस संबंध में एसडीओ संजय

अपराधियों पर एसपी का शिकंजा: गौ-तत्करी और अवैध वसूली के आरोपों में नौ पर गैंगस्टर एक्ट

वेब वार्ता,आलोक चतुर्वेदी/ललितपुर। अपराध और संगठित आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक की सख्त एवं तेज-तर्रार कार्यप्रणाली का असर अब गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के रूप में दिखाई देने लगा है। कोतवाली क्षेत्र में कथित रूप से सक्रिय एक संगठित आपराधिक गिरोह को खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगलीडर मोहसिन कुरैशी समेत नौ आरोपियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 2/3 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनुमोदित गैंगवार्ड के आधार पर की गई है।

पुलिस के अनुसार, उक्त गिरोह के सदस्यों पर गौ-तत्करी, अवैध वसूली, मारपीट, धमकी और हत्या जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में सलिल होने के आरोप हैं। पुलिस रिपोर् में गिरोह की गतिविधियों के चलते क्षेत्र में भय और अतंक का माहौल उत्पन्न होने का भी उल्लेख किया गया है।

सफलता के लिए पूर्ण मनोयोग से पढ़ाई करने को किया प्रेरित

करने वाले नागरिकों को योजना के तहत 25 हजार रुपये की सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने राजस्व व्यवस्था की प्रणाली, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी छात्र प्रतिभावान हैं और उन्हें पूर्ण मनोयोग से अध्ययन करते हुए अपने जनपद का नाम रोशन करने का प्रयास करना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मोघा ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें साइबर अपराध से बचाव,

स्ट्रीम में कटान थम नहीं रहा है। दिन में कटान रोकने के लिए लगाए जा रहे जीओ बैग रात में नदी की धारा में धंस जा रहे हैं। इसके चलते पिछले चार दिनों से ठोकर पर लगातार खतरा बना हुआ है। कटान रोकने और खतरे को टालने के लिए अभियंताओं की टीम लगातार चौथे दिन भी मौके पर डटी रही। शुक्रवार को भी बचाव कार्य चलता रहा। नदी में अचानक बैकरोलिंग शुरू होने से ठोकर के करीब 40 मीटर हिस्से पर कटान का खतरा बना हुआ है। बांध के किनारे बोई गई गन्ने की फसल भी कटान की चपेट में आ रही है। क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो वर्षों से क्षेत्र में बाढ़ बचाव के नाम पर कोई ठोस कार्य नहीं कराया गया है। इससे बांध और ठोकरों की स्थिति जर्जर हो

सीडीओ ने छात्राओं से किया संवाद

लक्ष्य निर्धारण और कैरियर को लेकर दिए सफलता के मंत्र

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश के निदेशों के क्रम में शनिवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, हरदोई में सीडीओ की ओर से छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को जीवन में लक्ष्य निर्धारण, कैरियर नियोजन, उच्च शिक्षा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना रहा।

संवाद के दौरान सीडीओ ने प्रभावी अध्ययन पद्धति, समय प्रबंधन, आत्म-अनुशासन, उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित छात्राहितकारी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ढ्कक्षा-12 की छात्राओं साक्षी दीक्षित, अर्दिति आर्या एवं निशी ने पढ़ाई के दौरान होने वाले डिस्ट्रैक्शन से बचने, सीमित संसाधनों एवं विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के अभाव में प्रतियोगी

रीक्षाओं की तैयारी करने तथा ग्रामीण क्षेत्र में रहते हुए यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी को लेकर अपनी जिज्ञासाएं और समस्याएं सीडीओ के समक्ष रखीं। सीडीओ ने छात्राओं के सवालों का समाधान करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, समय के सदुपयोग, अनुशासन, उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधन सफलता में बाधा नहीं हैं। सही रणनीति, निरंतर मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर बड़े लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है।



सीडीओ ने छात्राओं से कहा कि वे अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखते हुए पढ़ाई के प्रति पूरी गंभीरता बरतें और असफलताओं से निराश होने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों और तकनीक का सकारात्मक उपयोग करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या श्रीमती स्वाति श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती सुमन द्विवेदी सहित विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने छात्राओं के लिए आयोजित संवाद कार्यक्रम को उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया।

फोरलेन पार करते समय वृद्धा को ट्रक ने रौंदा, मौके पर मौत

कुशीनगर। फोरलेन हाईवे

पैदल पार करने में हुई लाहरवाही ने एक वृद्ध महिला को जान ले ली। गांव के सामने ही अज्ञात ट्रक ने वृद्धा को रौंद दिया। घटना के कारण एक घंटे तक आवागमन बाधित हुआ। लेन में दोनों तरफ एक किमी तक जाम लग गया।

आवश्यक कार्रवाई पूर्ण कर पुलिस ने यातायात बहाल कराया। नगरपालिका ने केशव नगर (गोपालगढ़) निवासी 72 वर्षीय वृद्धा बैजंती देवी गांव के सामने ही फोरलेन के दूसरी ओर एक निजी अस्पताल में इलाज कराने गई थीं। शनिवार को दिन के 12 बजे घर लौटने के लिए वह पैदल ही हाईवे पार कर रहीं थीं।

उन्होंने मार्ग पर तेजी से चल रहे वाहनों की ओर ध्यान दिए बिना जैसे ही सड़क पर कदम रखा, गोरखपुर की ओर जा रहे एक ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। क्षत-विक्षत सड़क पार फैल गया। जिससे लेन में आवागमन बाधित हो गया। कार्यवाई पूर्ण होने के बाद यातायात बहाल हुआ। इस संबंध में कस्या थानाध्यक्ष में इत्यानंद पांडेय ने बताया कि घटना कारित करने वाला वाहन फरार हो गया है। सीसी केमरे के माध्यम से उसका पता लगाया जा रहा है।

प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष ने किया स्थलीय निरीक्षण

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के प्रमुख एवं व्यस्ततम चौराहों को स्वच्छ,सुंदर,आकर्षक एवं सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने की दिशा में नगर पालिका परिषद ने पहल तेज कर दी है।

वेब वार्ता, कमर खान

शनिवार को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने नगर के प्रमुख घास मंडी चौराहा,मेजर चौराहा एवं गर्ल्स

कॉलेज चौराहा का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रस्तावित सौंदर्यीकरण एवं कायाकल्प कार्यों की संभावनाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने तीनों प्रमुख चौराहों की वर्तमान स्थिति यातायात व्यवस्था,साफ-सफाई,जल निकासी,प्रकाश व्यवस्था, हरियाली, उपलब्ध स्थान तथा नागरिकों की सुविधा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख प्रवेश एवं आवागमन



स्थलों को आकर्षक और व्यवस्थित बनाना नगर पालिका की प्राथमिकताओं में शामिल है।

अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने कहा कि चौराहे किसी भी शहर की पहचान और उसकी सुंदरता का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। इसलिए इनके सौंदर्यीकरण की योजना केवल सजावट तक सीमित न रहकर यातायात सुगमता, स्वच्छता, प्क का श व्यवस्था, हरियाली और जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से स्थल की

आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों का समुचित आकलन कर प्रभावी एवं जनोपयोगी कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख चौराहों का सुव्यवस्थित विकास होने से शहर की सुंदरता में वृद्धि के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों एवं बाहर से आने वाले लोगों को भी बेहतर वातावरण मिलेगा। प्रस्तावित कार्यों में स्थानीय आवश्यकताओं और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस, अधिशासी

अधिकारी लालचंद मौर्व,जेई सिविल अविनाश यादव,जेई जल धर्मेन्द्र गौड़,विपिन यादव,गौरव मिश्र, शिवम मिश्र सहित नगर पालिका परिषद के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नगर पालिका की इस पहल से शहर के प्रमुख चौराहों के कायाकल्प और सौंदर्यीकरण को लेकर नागरिकों में भी सकारात्मक उम्मीद जगी है। आगामी कार्ययोजना के माध्यम से इन स्थानों को आधुनिक, स्वच्छ,आकर्षक एवं जनोपयोगी स्वरूप देने की दिशा में कार्य किए जाने की संभावना है।

परिसीमन पर सीएम विजय की चिंता को कांग्रेस का समर्थन



चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलपति के परिसीमन को लेकर रुख में आए स्पष्टीकरण को अब कांग्रेस का समर्थन मिल गया है। उनकी हालिया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद से ही इस मुद्दे पर अटकलें लगाई जा रही थीं। विजय ने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्यों को संसद में प्रतिनिधित्व के नुकसान का सामना नहीं करना चाहिए। इस मुद्दे पर पहले भले ही विपक्ष ने उन्हें आड़े हाथों लिया हो और मुद्दे से हटने का आरोप लगाया हो, लेकिन अब कांग्रेस पार्टी लोकसभा सीटों के मौजूदा आवंटन को अगले 25 वर्षों तक बनाए रखने की मांग का खुलकर समर्थन कर रही है।

मुख्यमंत्री विजय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में यह मुद्दा

उठाया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में सफलता पाई है, उन्हें संसद में अपनी सीटों की संख्या में कमी के रूप में इसका खामियाजा नहीं भुगतना चाहिए। उनका यह बयान प्रस्तावित परिसीमन विधेयक, 2026 को लेकर गहरी चिंता दशाता है, जिसमें आशंका है कि यदि सीटों का पुनर्वितरण मुख्य रूप से आबादी के आधार पर किया गया, तो दक्षिणी राज्यों का संसद में प्रतिनिधित्व काफी कम हो सकता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. विदर्बरम ने इस मांग का समर्थन करते हुए कहा कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से तमिलनाडु को मिलने वाली 39 सीटों को भी बरकरार रखने की बात कही। चिदर्बरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि परिसीमन को लेकर तमिलनाडु विधानसभा और कांग्रेस कार्यसमिति की ओर से पारित प्रस्तावों में भी यही रुख सामने आया है।

उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी टीवीके और मुख्य विपक्षी दल डीएमके भी इसी रुख का समर्थन कर रहे हैं।

छठियार समारोह में घुसी बेकाबू बस, पांच की मौत, कई घायल

बेतिया। बिहार के बेतिया में शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे आयोजित छठियार समारोह में शामिल लोगों की भीड़ में घुस गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों में दो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। घायलों में कुछ लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया, जबकि पांच का इलाज जारी है।

हादसा रात करीब 11 बजे एनएच-727 पर बसवरिया पराउटोला बनकटवा मध्य विद्यालयके सामनेहुआ।जानकारी के मुताबिक, लौरिया के बसवरिया निवासी शत्रुघ्न दुबे के घर नवजात के छठियार समारोह का आयोजन किया गया था। घर सड़क किनारे

होने के कारण बड़ी संख्या में आमंत्रित लोग और ग्रामीण वहां जुटे थे। भोज-भात के साथ अर्केस्ट्रा का कार्यक्रम भी चल रहा था और लोग उसका आनंद ले रहे थे। इसी दौरान बेतिया की ओर से गैस सिलेंडर लदा ट्रक आ रहा था,

ध्यान में बैठे बौध्दों पर म्यांमार की सेना ने बरसाए बम, 14 की मौत



मांडले। म्यांमार के मध्य साग्राइंग इलाके की एक मठ में ध्यान लगा रहे 14 बौद्धों पर सेना के लड़ाकू विमानों ने बम गिरा दिए। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि 20 अन्य घायल हो गए। सिविल डिफेंस एंड सिव्योरिटी ऑर्गनाइजेशन ऑफ म्यांग टाउनशिप के प्रवक्ता नवे ऊ ने बताया कि म्यांमार की सेना के लड़ाकू विमान ने मठ परिसर पर बम गिराया। उनके मुताबिक, हमले में 14 लोगों की मौत हुई और 20 लोग घायल हुए हैं। एक स्थानीय निवासी ने भी मृतकों की संख्या की पुष्टि की। उसने बताया कि लड़ाकू विमान ने करीब 15 मिनट के अंतराल में दो बम गिराए। दूसरा बम मठ के पास स्थित एक मकान पर गिरा, जिससे वहां भी भारी नुकसान हुआ। जिस समय हमला हुआ, उस दौरान मठ परिसर में 100 से अधिक लोग एक सप्ताह के ध्यान कार्यक्रम में शामिल थे। यह कार्यक्रम बौद्ध धर्म के लेंट काल के दौरान आयोजित किया जा रहा था। विपक्षी समूह और स्थानीय निवासी के अनुसार, यह हमला म्यांग टाउनशिप के स्वेले ले ओह गांव में सुबह करीब 9 बजे हुआ। यह गांव देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 75 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। हमले के समय मठ परिसर में बड़ी संख्या में लोग एक सप्ताह के ध्यान शिबिर में शामिल थे। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस हमले से पुरे इलाके में दहशत फैल गई और लोगों को अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागना पड़ा।

वैज्ञानिकों ने की गैलेक्सी में तीन सक्रिय सुपरमैसिव ब्लैक होल की पहचान

वाशिंगटन। अंतरिक्ष

वैज्ञानिकों ने पहली बार एक ही गैलेक्सी में तीन सक्रिय सुपरमैसिव ब्लैक होल की पहचान की है।

शोध के अनुसार, यह गैलेक्सी पृथ्वी से लगभग 12.5 अरब प्रकाश वर्ष दूर स्थित है और इसका नाम जे0148-4214 है। इतनी अधिक दूरी होने के कारण वैज्ञानिक इस गैलेक्सी को बिग बैंग के लगभग 1.2 अरब वर्ष बाद की अवस्था में देख रहे हैं, जिससे प्रारंभिक ब्रह्मांड के विकास को समझने में नई जानकारी मिलने की उम्मीद है। यह खोज जर्मनी के मैक्स प्लैंक

इंस्टीटयूट फॉर एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल फिजिक्स के शोधकर्ताओं ने की है। शोधकर्ताओं ने इन तीनों ब्लैक होल की पहचान उनके विशेष स्पेक्ट्रल संकेतों और हाइड्रोजन उत्सर्जन रेखाओं के विश्लेषण के आधार पर की। गैलेक्सी के केंद्र में मौजूद दो ब्लैक होल एक-दूसरे से केवल 620 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित हैं, जबकि तीसरा ब्लैक होल केंद्र से लगभग 5,500 प्रकाश वर्ष दूर बाहरी हिस्से में पाया गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हाइड्रोजन गैस के अत्यधिक वेग से घूमने के कारण उत्पन्न संकेतों ने इतनी सटीक स्थिति निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत के लिए पाकिस्तान से ज्यादा चीन है चुनौती

पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे का दावा

नई दिल्ली। पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे ने भारत की सुरक्षा चुनौतियों पर एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कहा है कि जहां एक ओर भारत का ध्यान अब तक सीमा पार आतंकवाद के लगातार खतरे के कारण काफी हद तक पाकिस्तान पर केंद्रित रहा है, वहीं दीर्घकाल में चीन कई मोर्चों पर भारत का मुख्य प्रतिस्पर्धी बनने जा रहा है।

अपनी नई पुस्तक द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइड: अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज के विमोचन के अवसर पर नरवणे ने स्पष्ट किया कि भारत को बीजिंग के साथ लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने के साथ-साथ एक मजबूत सैन्य प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने चीन के



संदर्भ में शत्रु शब्द का उपयोग करने से जानबूझकर परहेज करते हुए प्रतिस्पर्धी शब्द का चुनाव किया, जो दोनों देशों के बीच संबंधों की जटिल प्रकृति को दर्शाता है। जनरल नरवणे ने स्वीकार किया कि भारत ने पाकिस्तान और चीन, दोनों के साथ ऐतिहासिक युद्ध लड़े हैं और दोनों देशों के साथ सीमाओं पर विवाद आज भी अनसुलझे हैं। इस कारण वे हमेशा भारत के लिए खतरे

और चुनौती के रूप में रडार पर बने रहेंगे। हालांकि, उन्होंने इन दोनों पड़ोसी देशों द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों के प्रकार में भिन्नता पर जोर दिया। पाकिस्तान से तात्कालिक खतरा मुख्य रूप से उसके द्वारा समर्थित आतंकवाद और लगातार सीमा पार गतिविधियों के कारण है। भारत के पश्चिमी मोर्चे पर सुरक्षा बलों को लगातार हाई अलर्ट पर रहना पड़ता है, और पाकिस्तान की ये हरकतें देश

की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक सतत चुनौती बनी हुई है।

इसके विपरीत, नरवणे ने चीन को आने वाले वर्षों में भारत का मुख्य रणनीतिक प्रतिस्पर्धी बताया। उनका मानना ​​है कि यह प्रतिस्पर्धा केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार और कूटनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में देखी जाएगी। चीन की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाएं और भारत के साथ उसके क्षेत्रीय विवाद, जैसे कि पूर्वी लद्दाख में जून 2020 की गलवान घाटी झड़प, इस बात का प्रमाण हैं कि बीजिंग के साथ एक लंबी और जटिल प्रतिस्पर्धा अपरिहार्य है।

हालांकि अब हालात सुधरते दिख रहे हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं ने भारत को अपनी सीमाओं पर अत्यधिक सतर्क रहने पर मजबूर किया है।

नरवणे, जो 31 दिसंबर 2019 से 30 अप्रैल 2022 तक सेनाध्यक्ष रहे, ने इस बात पर विशेष बल दिया कि भारत को चीन के साथ अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए बल प्रयोग के बजाय बातचीत और

कूटनीतिक माध्यमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, बल प्रयोग का सहारा लेना हमेशा आखिरी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत को किसी भी संभावित दुस्साहस को रोकने के लिए अपनी सैन्य तैयारी को अविश्वसनीय रूप से मजबूत और विश्वसनीय बनाए रखना होगा। यह एक दोहरी रणनीति है: कूटनीति के माध्यम से शांति की तलाश करना, लेकिन साथ ही किसी भी आक्रामकता का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहना।

इस रणनीति के तहत, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल समझौता रद्द करने जैसे कई कदम भी उठाए हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में भारत के हद रुख को दर्शाते हैं। अंततः, नरवणे का बयान भारत की बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करता है, जहां चीन के साथ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना और पाकिस्तान से उत्पन्न खतरों को नियंत्रित करना दोनों ही सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

कमी हां- कमी न में अटका बांग्लादेशी पीएम का भारत दौरा

नई दिल्ली। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारत आएंगे या नहीं आएंगे इसको लेकर कभी हाइकूमती नब्ब की स्थिति बनी हुई है। वजह ये है कि हाल ही में राष्ट्रपति भवन की तैयारियों के हवाले से मीडिया में खबर आई थी थी तारिक रहमान संभवता भारत आ रहे हैं। जिसकी तैयारियां चल रही है। इस तरह की खबरों के बाद ढाका ने बयान जारी कर साफ कर दिया कि फिलहाल ऐसी किसी यात्रा को लेकर किसी योजना को अंतिम रुप नहीं दिया गया है। बता दें कि भारत सरकार ने उन्हें द्विपक्षीय यात्रा के लिए दिल्ली आने का औपचारिक निमंत्रण दिया है, इसके अलावा उन्हें आगामी ब्रिक्स बैठक के लिए भी आमंत्रित किया गया है, हालांकि इन दोनों प्रस्तावों पर अभी आधिकारिक स्वीकृति मिलना बाकी है।

मक्का रक्षा समझौते में अब बांग्लादेश भी शामिल होने पर कर रहा विचार



नई दिल्ली। पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के मक्का रक्षा समझौते में अब बांग्लादेश ने भी दिलचस्पी दिखाई है। इस सैन्य-आर्थिक ढांचे को हाइस्लामिक नाटोह्क कहा जा रहा है और बांग्लादेश ने संकेत दिया है कि वह इसमें शामिल होने पर विचार कर सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और बांग्लादेश के रिश्ते पहले से तनावपूर्ण हैं, जबकि ढाका

पाकिस्तान और चीन के साथ अपने संपर्क बढ़ा रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूँ कबीर ने कहा कि ढाका किसी भी फैसले से पहले अपने राष्ट्रीय हित और बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेश, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की से जुड़े किसी भी आर्थिक या रक्षा ढांचे में शामिल

होने की संभावना को लेकर सकारात्मक रुख रखता है। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की ने 7 अगस्त को मक्का में इस रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसकी सबसे अहम शर्त यह है कि तीनों में से किसी एक देश पर सशस्त्र हमला बाकी दोनों पर हमले के तौर पर देखा जाएगा, जो इसे साधारण रक्षा सहयोग से अलग बनाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसे अभी नाटो जैसा पूर्ण सैन्य गठबंधन कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि इसके पास नाटो जैसी साझा सैन्य कमान और युद्ध में उतरने से जुड़े नियम नहीं हैं। फिर भी, पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब का यह गठजोड़ रणनीतिक रूप से अहम है और अब बांग्लादेश के इसमें शामिल होने की संभावना ने इसके संभावित विस्तार को लेकर चर्चा तेज कर दी है। बांग्लादेश का यह रुख भारत के साथ उसके मौजूदा तनाव के बीच आया है।

बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा को हटाने की मांग



नई दिल्ली। बार कार्डिसल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के एक दशक से अधिक समय तक पद पर बने रहने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की बकील योगमाया एमजी ने याचिका दाखिल कर मिश्रा को चेयरमैन पद से हटाने, अदालत की निगरानी में नए चुनाव कराने और पद के कार्यकाल की स्पष्ट सीमा तय करने की मांग की है।

याचिका में दावा किया गया है कि बीसीआई नियम 12 (2) के तहत चेयरमैन का कार्यकाल दो साल निर्धारित है। याचिकाकर्ता ने अप्रैल 2025 में जारी उस गजट अधिसूचना को भी चुनौती दी है, जिसके जरिए मनन कुमार मिश्रा का कार्यकाल वर्ष 2030 तक बढ़ाए जाने की बात कही गई है। याचिका में इसे निर्धारित नियमों के विपरीत बताया गया है।

याचिका में बीसीआई चेयरमैन पद पर लंबे समय तक किसी एक व्यक्ति के बने रहने पर सवाल उठाते हुए पद के लिए रोटेशन सिस्टम लागू करने की मांग की गई है। साथ ही नए चुनाव नियम और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी की मांग भी की गई है।



इस खोज के लिए शोध दल ने

स्पेक्ट्रो-एस्ट्रोमेट्री तकनीक का उपयोग

किया, जिसके माध्यम से गैलेक्सी के

भीतर उत्सर्जन रेखाओं में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों का अत्यंत सटीक विश्लेषण किया गया। इसमें जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरबीन के एनआईआरस्पेक-आईएफएस उपकरण ने निर्णायक भूमिका निभाई।

साबित हो सकती है महत्वपूर्ण संकेत

वैज्ञानिकों का मानना ​​है कि इस आधुनिक तकनीक के बिना संभवतः केवल एक ब्लैक होल की ही पहचान हो पाती। अध्ययन के अनुसार, इन तीनों ब्लैक होल का द्रव्यमान क्रमशः लगभग 8 करोड़, 6 लाख और 20 लाख सौर द्रव्यमान के बराबर है। इनमें से 6 लाख सौर

द्रव्यमान वाला ब्लैक होल अत्यंत तेज गति से अपने आसपास के पदार्थ को निगल रहा है और उसकी वृद्धि सामान्य सैद्धांतिक सीमा से भी अधिक बताई गई है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि गैलेक्सी के केंद्र में मौजूद दोनों विशाल ब्लैक होल अगले कुछ करोड़ वर्षों में आपस में विलय कर सकते हैं। इस प्रक्रिया से उत्पन्न होने वाली गुरुत्वीय तरंगें भविष्य में अंतरिक्ष वेधशालाओं के लिए महत्वपूर्ण संकेत साबित हो सकती हैं।

यह खोज सबसे रोचक पहलू

वैज्ञानिकों के अनुसार, गैलेक्सी के बाहरी हिस्से में मिला तीसरा

ब्लैक होल इस खोज का सबसे रोचक पहलू है। माना जा रहा है कि यह किसी प्राचीन आकाशगंगीय टक्कर का अवशेष हो सकता है या फिर किसी शक्तिशाली गुरुत्वीय प्रभाव के कारण केंद्र से बाहर निकल गया हो। यह भी संभव है कि वह धीरे-धीरे दोबारा गैलेक्सी के केंद्र की ओर बढ़ रहा हो। यह शोध प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं का मानना ​​है कि यह खोज प्रारंभिक ब्रह्मांड में आकाशगंगाओं और सुपरमैसिव ब्लैक होल के निर्माण तथा उनके विकास से जुड़े कई स्थापित सिद्धांतों को नई दिशा दे सकती है।

ताजा खबर

संक्षिप्त

छत्तीसगढ़ में 9 आईएफएस अधिकारियों का ट्रांसफर

रायपुर. छत्तीसगढ़ सरकार ने वन विभाग में 9 भारतीय वन सेवा (आईएएस) अफसरों का तबादला किया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है। 2017 बैच के सौरभ सिंह ठाकुर को गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व, बैकुंठपुर के उप संचालक पद से हटाकर हाथी रिजर्व, सरगुजा (अंबिकापुर) का उप संचालक बनाया गया है। 2018 बैच के दूधरस अफसर दिनेश कुमार पटेल को वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मोहला से ट्रांसफर कर अचानकमार टाइगर रिजर्व, लोरमी का उप संचालक बनाया गया है। वहीं, गणेश यूआर को अचानकमार टाइगर रिजर्व, बिलासपुर के उप संचालक पद से हटाकर अनुसंधान एवं विस्तार वन मंडल, बिलासपुर का वनमंडल अधिकारी बनाया गया है। उन्हें अचानकमार-अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व के संचालक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

मंत्री गजेंद्र यादव बोले: चरणबद्ध तरीके से होगी 5000 शिक्षकों की भर्ती

रायपुर। शिक्षा विभाग की प्रेस वार्ता में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव और विभागीय सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने विभाग की ओर से किए जा रहे सुधारों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अभियान के तौर पर युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूरी की गई है। विभाग के मुताबिक युक्तियुक्तकरण के जरिए 453 विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को पूरा किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि स्कूलों के एकीकरण के जरिए उपलब्ध संसाधनों का बेहतर सदुपयोग किया गया है।

चमोली टनल हदसा :साय ने की मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख देने की घोषणा

रायपुर. उत्तराखंड के चमोली में 13 अगस्त को हुए दर्दनाक टनल हादसे में 10 मजदूरों की मौत हुई. मरने वालों में 4 मजदूर छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के निवासी थे. हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री साय ने मृतक श्रमिकों के परिजनों 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है. वहीं दो घायलों को इलाज के लिए 50-50 हजार रुपये देने के निर्देश दिए गए हैं. ज्योग्राफिकमैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना इस हादसे में कोंडागांव जिले के ग्राम धनसुली के 2, मदनार के 1 और दहीकोंगा के 1 श्रमिक की मृत्यु हुई है, जबकि जिले के 2 श्रमिक घायल हुए हैं. दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर कोंडागांव लाए गए, जहां परिजनों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी.उत्तराखंड के चमोली जिले में निर्माणधीन मायापुर डूंग्र पीपलकोटी टनल में काम चल रहा था. 13 अगस्त की शाम लगभग 6:30 बजे भारी भूस्खलन और पहाड़ी के पानी के रिसाव के कारण 22 श्रमिक अंदर फंस गए.

नगरीय निकायों को एल्डरमैन निधि के 9.44 करोड़ जारी

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों हेतु कुल 9 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्डरमैन निधि जारी की है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत एल्डरमैन निधि की प्रथम किस्त की 50 प्रतिशत राशि विभाग द्वारा जारी की गई है। इस मद से मनेनीत पार्षदों (एल्डरमैन) की अनुशंसा पर विकास कार्य किए जाते हैं । उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगरीय निकायों को ये राशि जारी कर दी है। श्री साव ने नगरीय निकायों को इस निधि का सदुपयोग करते हुए राज्य की शहरी आबादी तक योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राज्य के 10 नगर निगमों में एल्डरमैन निधि के कुल 2 करोड़ 7 लाख रुपए जारी किए गए हैं। 53 नगर पालिकाओं में कुल 3 करोड़ 93 लाख रुपए और 102 नगर पंचायतों में कुल 3 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्डरमैन निधि विभाग द्वारा जारी की गई है।

राखी से पहले खाते में पहुंची महतारी वंदन की राशि

रायपुर। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को हर माह मिलने वाली एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता उनके लिए संभव बन रही है। खरवत घेरवापारा, जिला कोरिया निवासी श्रीमती रवाना परवीन की भी योजना के तहत प्रतिलाह एक हजार रुपए की राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त होती है। राधाबन से पहले खाते में एक हजार रुपए की राशि पहुंचने पर उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैय्या के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के पर्व से पहले मिली यह राशि उनके लिए काफी मददगार होगी और इससे वे राखी के त्योहार की आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी।

मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से की मुलाकात

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नड्डा से उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं के विस्तार तथा केंद्र सरकार



के सहयोग से संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

कहा : युवाओं को ‘जॉब सीकर’ नहीं ‘जॉब क्रिएटर’ बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा छ्तीसगढ़

वर्ल्ड लीडर्स फोरम में सीएम साय ने रखा युवा केन्द्रित अर्थव्यवस्था का रोडमैप

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय वर्ल्ड लीडर्स फोरम में वैश्विक आर्थिक जगत की प्रमुख हस्तियों के समक्ष छत्तीसगढ़ की तेजी से बदलती आर्थिक तस्वीर, निवेश की व्यापक संभावनाओं और भविष्य के विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब अपनी पारंपरिक औद्योगिक और खनिज आधारित पहचान से आगे बढ़कर युवा शक्ति, नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप, ग्रीन एनर्जी और आधुनिक विनिर्माण पर आधारित नई अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल बड़े निवेश आकर्षित करना नहीं है, बल्कि निवेश को रोजगार, उद्यमिता, बेहतर आय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना है। छत्तीसगढ़ के युवा केवल रोजगार तलाशने वाले न रहें, बल्कि अपने नवाचार और उद्यमिता के बल पर दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करें, इसी सोच के साथ राज्य की नीतियों और योजनाओं को नया स्वरूप दिया जा रहा है। फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर, भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉर्जसन सहित भारत और विश्व की अनेक प्रमुख हस्तियां शामिल हो रही हैं। भौगोलिकसंदर्भ मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष



2025-26 में राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 6.31 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और आर्थिक वृद्धि दर 11.57 प्रतिशत रही है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 1 लाख 79 हजार 244 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए विकास और जनकल्याण को समान प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के 1.72 लाख करोड़ रुपये के बजट में अधोसंरचना निर्माण, पूंजीगत व्यय और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। सड़क, रेल, ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक अधोसंरचना को मजबूत कर छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। नई औद्योगिक

बच्चों में कला के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दे रहा बीएमसी

रायपुर। वेदंता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन-बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) के 8वें स्थापना वर्ष समारोह के तहत ‘Prevent, Protect, Propera विषय पर अंतर-विद्यालयीन चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य एवं कैंसर जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें कला के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और चित्रों के माध्यम से स्वास्थ्य, बचाव और जागरूकता से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए। विजेता विद्यार्थियों को 14 अगस्त को बालको मेडिकल सेंटर में आयोजित समारोह में बीएमसी के चिकित्सक डॉ. नीलेश जैन एवं डॉ. रुचि ओजला ने प्रमाण-पत्र और पुरस्कार प्रदान किए। प्रथम पुरस्कार अंशिका चौहान (कक्षा 7, GC, CRPF Camp) और वृद्धि भारद्वाज (कक्षा 5, DPS रायपुर) को मिला। द्वितीय पुरस्कार



केशव अग्रवाल (कक्षा 9, DPS रायपुर) और रोमेश ध्रुव (कक्षा 7, PM Shri KV, महासमुंद) ने हासिल किया। वहीं तृतीय पुरस्कार जानवी चेलक और हिना साहू (दोनों कक्षा 8, Christel House India) को प्रदान किया गया। BMC के अनुसार, ऐसी पहल के जरिए बच्चों और विद्यालयों को स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ने तथा कम उम्र से ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह पहल क़ख़्त की Cancer Care For All की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने किया मंथन

कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति-2026 से खुलेंगे रोजगार और निवेश के नए रास्ते



केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में शासन के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उद्योगों, वित्तीय एवं तकनीकी संस्थानों, शिक्षाविदों और नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जैव ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर मंथन किया। विशेषज्ञों ने कहा कि राज्य में उपलब्ध बायोमास संसाधनों की मजबूत वैल्यू चेन विकसित कर उन्हें स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन से जोड़ने पर जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने के साथ उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को गति मिलेगी। कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति-2026 से जैव ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा कार्यशाला में बताया गया कि राज्य शासन ने जैव ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए दूरदर्शी

पहल के रूप में छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति-2026 लागू की है। यह नीति प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, हरित औद्योगिकीकरण, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में बायोएनर्जी परियोजनाओं के लिए विभिन्न प्रोत्साहनों और सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। इन नीतिगत पहलों के माध्यम से प्रदेश में जैव ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अनुकूल निवेश वातावरण तैयार करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। कार्यशाला में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जैव ऊर्जा का विस्तार केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। इससे कृषि अवशेषों

अब मड़वा ताप विद्युत गृह से सीधे रोशन होगी राजधानी

रायपुर। राजधानी रायपुर की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने ट्रांसमिशन कंपनी ने रायता (धरसीवां) उपकेंद्र से रायपुर के दलदलसिखनी में निर्माणधीन 220 के.वी. उपकेंद्र तक लगभग 27 किलोमीटर लंबी 220 के.वी. अति उच्च दाब डबल सर्किट विद्युत लाइन सफलतापूर्वक चालू कर दी गई है। इससे रायपुर का सप्लाई ग्रिड सीधे मड़वा प्लांट से जुड़ गया है। लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस लाइन के माध्यम से राजधानी रायपुर की लगभग 40 प्रतिशत विद्युत आपूर्ति अब जांजगीर-चांपा जिले के अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह, मड़वा से सीधे की जा सकेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पावर कंपनीज को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

नई दिल्ली, रविवार 23 अगस्त 2026

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर जोर

मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का विशेष फोकस इस बात पर है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उसके निकट ही गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं तक स्वास्थ्य तंत्र को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

बस्तर और सरगुजा के दूरस्थ क्षेत्रों पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ, वनांचल एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। राज्य सरकार इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार, चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता और आधुनिक उपचार सुविधाओं तक लोगों की पहुंच आसान बनाने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य कर रही है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से मिले उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा

बलौदाबाजार में केंद्रीय विद्यालय खुलने की उम्मीद

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाई देने के लिए राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा के प्रयास अब सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर मंत्री वर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में केंद्रीय विद्यालय की महत्ता और स्थानीय विद्यार्थियों के हित से जुड़े विभिन्न पहलुओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने प्रक्रिया को गति देते हुए जल्द से जल्द स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आश्वासन दिया कि इस विषय पर जल्द ही आवश्यक निर्णय लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री के इस आश्वासन से जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं। मंत्री वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर केंद्र सरकार के स्तर पर बेहद सकारात्मक चर्चा हुई है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से जल्द

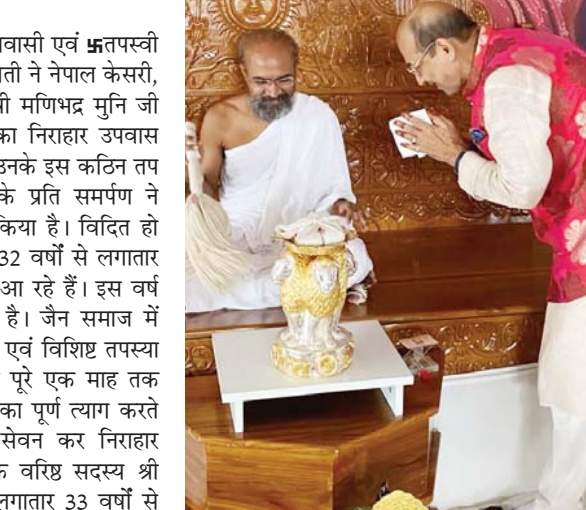


निर्णय लेने का आश्वासन मिलना पूर जिले के लिए सुखद और उत्साहजनक है।

विद्यार्थियों को मिलेंगे बेहतर शैक्षणिक अवसर

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रही है। वर्तमान में बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को बड़े शहरों या अन्य जिलों का रुख करना पड़ता है। जिले में विद्यालय खुलने से स्थानीय विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर का शैक्षणिक माहौल उपलब्ध हो सकेगा। राज्य सरकार द्वारा विद्यालय के संचालन के लिए शुरुआती दौर में अस्थायी भवन की व्यवस्था के साथ-साथ भविष्य में स्थायी भवन निर्माण के लिए भूमि चिह्नित एवं आरक्षित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा की पहल पर जिले में शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर और आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही है। केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ी यह पहल जिले के समग्र शैक्षणिक विकास को एक नई गति प्रदान करेगी।

विजय संचेती का इस वर्ष भी मासखमन



का पारणा कुम्हारों स्थित जैन तीर्थ कैवल्य धाम में बस्तर प्रहरी परम पुज्य राजेश म. सा. आदि ठाणा के पावन सात्रिष्य में संपन्न हुआ। पारणा कार्यक्रम प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 12:15 बजे के मध्य हुआ। इस अवसर पर जैन समाज के श्रद्धालु एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहकर तपस्वी श्री विजय संचेती का अभिनंदन तथा उनके तप की अनुमोदना की।

बारिश से खराब सड़कों की तत्काल मरम्मत के निर्देश

जांजगीर-चांपा। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने गुरुवार को जांजगीर में जांजगीर-चांपा और सक्ती जिलों के अधिकारियों के साथ चार विभागों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं और निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

साव ने बारिश से खराब सड़कों और गड्ढों की प्राथमिकता से मरम्मत करने तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं करने को कहा। स्वीकृत परियोजनाओं को जल्द शुरू करने और उनकी नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए। उन्होंने जांजगीर और सक्ती के नाल्दा कैंपस का काम निर्धारित समय में पूरा करने, जल जीवन मिशन की योजनाओं के नियमित रखरखाव, पेयजल आपूर्ति में बाधा आने पर तत्काल कार्रवाई तथा कचरा स्रोत पर अलग-अलग एकत्र करने पर जोर दिया। पीएच स्वविधि और अपसर उपलब्ध जैसी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश देते हुए उन्होंने लॉबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने को कहा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खेल गतिविधियां बढ़ाने तथा मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष योजना के माध्यम से प्रतिभाओं की प्रशिक्षण और अपसर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। साव ने अधिकारियों से आम नागरिकों के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार करने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय से योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा।



महत्वपूर्ण ख़बर

लुसाने डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा को रजत, 88.05 मीटर श्रो के बावजूद 9 सेमी से चूके गोल्ड

■ नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक साल से अधिक समय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन शुक्रवार को यहां लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के उभरते सितारे रमेश पथिरागे ने सिर्फ़ नौ सेंटीमीटर के अंतर से उन्हें स्वर्ण पदक से वंचित कर दिया। चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में 88.05 मीटर का श्रो किया, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे यह 28 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी नौ खिलाड़ियों के मुकाबले में दूसरे स्थान पर रहा। चोपड़ा का यह पिछले साल जून के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उन्होंने जून 2025 में पेरिस डायमंड लीग जीतने के दौरान 88.16 मीटर का श्रो किया था। यह इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ श्रो भी था। लेकिन 23 वर्षीय पथिरागे ने इस सत्र में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर के श्रो के साथ चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 86.69 मीटर की दूरी तय करके तीसरा स्थान हासिल किया।

आतंक पर खेल भारी...पुलवामा में युवाओं पर चढ़ा क्रिकेट का खुमार

श्रीनगर। कभी आतंक का गढ़ कहा जाने वाला और आतंकी हिंसा से प्रभावित पुलवामा में इन दिनों युवाओं पर क्रिकेट का खुमार चढ़ा है। डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में हजारों की भीड़ कश्मीर में बदलाव की असलियत दिखा रही है। शुक्रवार को भी पुलवामा स्टेडियम में 'रॉयल प्रीमियर लीग' के तहत खेले गए मैच में घाटी के क्रिकेटरों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

भीड़ को देख प्रशासन से लेकर पुलिस तक दंग है। पिछले दो मैच मध्य रात्रि करीब दो बजे तक चले और दर्शक भी डटे रहे। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल ने इस लीग का आयोजन किया है। लीग में



10 टीमें भाग ले रही हैं। शुक्रवार को वैली स्टार गांदरबल और एल नूर किंग्स पुलवामा के बीच मैच देखने के लिए पुलवामा स्टेडियम में 20 हजार से अधिक दर्शक पहुंचे थे।

जमकर थी भीड़

भीड़ इतनी थी कि कुछ दर्शकों ने डिग्री कॉलेज की दीवार पर चढ़कर मैच का लुप्त उठाया। रात करीब आठ बजे फ्लड लाइट्स जलते ही स्टेडियम तेज आवाजों से गूंज उठा। कई युवा ढोल पर तो कई डीजे पर



थिरक रहे थे। चौकों-छक्कों पर तालियों की गूंज घाटी के बदलते

माहौल और युवाओं की बदलती पसंद की कहानी कह रही थी।

आयोजन सफल रहने की हे उम्मीद

22 साल की 'अग्निपरीक्षा' के बाद मिला इंसाफ, फर्जी इमिग्रेशन विवाद में पूर्व भारतीय क्रिकेटर को वलीन चिट

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने एक आपराधिक मामले में राहत देते हुए सभी आरोपों से बरी कर दिया है। साल 2004 में उन पर धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक घड़यंत्र (आईपीसी की धारा 420, 468, 471, 120बी) के साथ-साथ पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि मार्टिन के खिलाफ फर्जी इमिग्रेशन स्टाम्प, वित्तीय अनियमितताओं या अजवा स्पॉटर्स क्लब पर उनके किसी भी तरह के नियंत्रण को साबित करने वाले कोई ठोस साक्ष्य नहीं



मिले। अभियोजन पक्ष के सभी गवाह इन आरोपों को

साबित करने में असफल रहे, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें पूरी तरह से दोषमुक्त कर दिया।

मामले की पृष्ठभूमि और मार्टिन का पक्ष

बरी होने के बाद जैकब मार्टिन ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि यह मामला 2004 का है, जब उनकी एक क्रिकेट टीम ब्रिटेन के दौरे पर गई थी। दौरे के बाद टीम का एक खिलाड़ी, जिसका वीजा 6 महीने के लिए वैध था, तय सीमा से अधिक समय तक यूके में ही रुका रहा। जब वह भारत लौटा, तो उसने कथित तौर पर फर्जी स्टाम्प का सहारा लिया, जिसके कारण उसे आईजीआई एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया गया।

बांग्लादेश पर कहर बनकर टूटे मिचेल स्टार्क ने डेल स्टेन को किया पीछे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटे हैं। उनकी गेंदबाजी से ये हाल हुआ कि बांग्लादेशी टीम पहली पारी में महज 64 रनों पर ढेर हो गई। इसी के साथ स्टार्क ने एक खास लिस्ट में टॉप-10 में छठी मार ली है।

मिचेल स्टार्क ने बांग्लादेश के छह बल्लेबाजों को आउट किया। उन्होंने पहली पारी में कुल 10 ओवर ही गेंदबाजी की और महज 12 रन देकर छह विकेट लिए। इसी के साथ स्टार्क ने साउथ अफ्रीका के तूफानी गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे



कर दिया।

स्टेन को पछाड़ टॉप-10 में

पहुंचे स्टार्क

स्टार्क टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में अब 10वें नंबर पर आ गए हैं। यहां उनसे पहले स्टेन थे, लेकिन मैके में एक ही पारी में स्टार्क ने ऐसा कहर ढाया कि दुनिया देखती रह गई। स्टेन ने टेस्ट में 93 मैचों की 171 पारियों में 439 विकेट लिए हैं। स्टार्क जब इस मैच में उतरे थे तो वह स्टेन की बराबरी करने से चार विकेट पीछे थे, लेकिन छह विकेट लेकर उन्होंने स्टेन की पीछे कर दिया। स्टार्क के अब 107 मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो गए हैं। अब उनकी नजरें वेस्टइंडीज के महान गेंदबाज कर्टनी वॉल्श के रिकॉर्ड पर टिकी हैं। वॉल्श के नाम 519 विकेट हैं।

गॉल टेस्ट की दोनों पारियों में प्रभात जायसूर्या ने शुभमन गिल को अपना शिकार बनाया था। गिल पहली पारी में 16 और दूसरी पारी में सिर्फ़ आठ रन बना सके। टेस्ट क्रिकेट में बाएं हाथ के

कोलंबो। गॉल टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने के बाद भारतीय टीम की नजर अब दूसरे टेस्ट पर है। 23 अगस्त से सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में शुरू होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय बल्लेबाज अपनी उन कमियों पर खास काम कर रहे हैं, जिनका फायदा श्रीलंकाई गेंदबाजों ने पहले टेस्ट में उठाया था। कप्तान शुभमन गिल जहां बाएं हाथ के स्पिन के विरुद्ध अपनी तकनीक सुधारने में जुटे हैं, वहीं यशस्वी जायसवाल ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ अपने कट शॉट पर खास मेहनत की।

गॉल टेस्ट की दोनों पारियों में प्रभात जायसूर्या ने शुभमन गिल को अपना शिकार बनाया था। गिल पहली पारी में 16 और दूसरी पारी में सिर्फ़ आठ रन बना सके। टेस्ट क्रिकेट में बाएं हाथ के

गॉल टेस्ट में अस्थिरा फर्नांडो ने उन्हें ऑफ स्टंप के बाहर की लेंथ गेंद पर शॉट खेलने के लिए मजबूर किया और विकेट के पीछे कैच करा दिया था। यह शॉट पिछले कुछ समय में जायसवाल के लिए

पारंपरिक स्पिनरों के विरुद्ध गिल की परेशानी नई नहीं है। वह अब तक इस तरह के गेंदबाजों के विरुद्ध 11 बार आउट हो चुके हैं।

इसी कमजोरी को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को गिल ने एसएससी के नेट्स में काफी समय बाएं हाथ के स्पिनरों का सामना करने में बिताया। उन्होंने मानव सुधार, रवींद्र जडेजा और दो स्थानीय गेंदबाजों के सामने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। गिल के साथ यशस्वी जायसवाल ने भी शुक्रवार के अभ्यास सत्र में अपनी एक खास कमजोरी पर काम किया।

गॉल टेस्ट में अस्थिरा फर्नांडो ने उन्हें ऑफ स्टंप के बाहर की लेंथ गेंद पर शॉट खेलने के लिए मजबूर किया और विकेट के पीछे कैच करा दिया था। यह शॉट पिछले कुछ समय में जायसवाल के लिए

परेशानी का कारण बना है। पिछले साल अक्टूबर से अब तक उन्होंने 27 गेंदों के अंदर कट शाट खेलने की कोशिश में चार बार अपना विकेट गंवया है। इससे पहले टेस्ट पदार्पण से लेकर इंग्लैंड दौरे तक करीब 190 गेंदों में वह इस शॉट पर चार बार ही आउट हुए थे। शुक्रवार को भारतीय तेज गेंदबाजों ने यशस्वी की परीक्षा ली। सबसे पहले आकिब नबी ने ऑफ स्टंप के बाहर गेंद डालकर उन्हें कट खेलने का मौका दिया, लेकिन जायसवाल ने गेंद को जाने दिया। गुरुर बराड़ ने भी उसी लाइन पर गेंद डाली, लेकिन लंबाई थोड़ी आगे रखी। जायसवाल ने कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की और चूक गए। इसके बाद उन्होंने उस क्षेत्र की गेंदों को खेलने से पूरी तरह परहेज किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी आफ स्टंप के बाहर गेंदें डालीं, लेकिन जायसवाल ने कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई। हालांकि नेट्स पर अपनी कमजोरी से पार पाने में जुटे यशस्वी की असली परीक्षा मैच में होगी क्योंकि एसएससी की पिच आम तौर पर बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। ऐसे में श्रीलंकाई तेज गेंदबाज खास तौर पर आफ स्टंप के बाहर गेंद डालकर जायसवाल के धैर्य की परीक्षा ले सकते हैं। अभ्यास सत्र में कुलदीप यादव नेट्स पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने न तो गेंदबाजी की और न ही बल्लेबाजी।

कारोबार



इस हफ्ते सोने-चांदी में आई तूफानी तेजी

12 हजार से ज्यादा बढ़े दाम; इतनी पहुंची कीमत

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुएं क्रमशः 8 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और 12 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक महंगी हो गई हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 8,257 रुपये बढ़कर 1,60,620 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,52,363 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,47,128 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,39,565 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,20,465 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,14,272 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 1,52,884 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 1,60,620 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा गया। चांदी 12 हजार से ज्यादा हुई महंगी सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 12,788 रुपये बढ़कर 2,46,630 रुपये प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,33,842 रुपये प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 2,46,630 रुपये प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 2,27,392 रुपये प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम

बिटकाइन में तूफानी तेजी, 3 साल की सबसे बड़ी साप्ताहिक रैली की ओर क्रिप्टोकॉरेसी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकाइन में बड़ी तेजी देखी गई। यह करेंगीस अपने पिछले 3 साल के सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी की ओर बढ़ रही है। इसकी कीमत 80 हजार डॉलर के करीब पहुंच रही है।

दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी क्रिप्टोकॉरेसी एक दिन में 9.4% तक का उछाल आया और इसकी कीमत लगभग \$77,500 तक पहुंच गई। इस सप्ताह इसमें लगभग 23% की बढ़त हुई है। अगर यह बढ़त इसी तरह बनी रहती



है, तो मार्च 2023 के बाद से यह इस आधार पर सबसे बड़ी बढ़त होगी। बिटकाइन का भाव पिछली बार मई

में \$80,000 तक पहुंचा था। क्यों आई बिटकाइन में तेजी बिटकाइन में आई इस तूफानी

तेजी की वजह अमेरिका है। दरअसल, अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को घोषणा

की कि उनका विभाग लंबे समय वाले बॉन्ड की खरीद को कम से कम दोगुना कर देगा इसी के बाद बिटकाइन में तेजी देखी गई। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी की घोषणा के बाद ट्रेड्स को अरबों डॉलर की शॉर्ट पोजीशन बेचनी पड़ी। बुधवार को ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो इंडस्ट्री के नेताओं से मुलाकात की, जिससे उम्मीदें और बढ़ गईं। इस बीच, निवेशकों को डर था कि बॉन्ड मार्केट में इस दखल का असर डॉलर पर पड़ेगा, जिसके चलते सोने की कीमत मई के बाद से अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई।

क्या बोले क्रिप्टोकॉरेट? शुक्रवार को लिंकडइन पर एक पोस्ट में, ब्रिजवाटर एसोसिएट्स के फाउंडर डे डेलियो ने कहा कि

इन्वेस्टर्स को मजबूत फाइनेंशियल स्थिति वाले देशों और अलग-अलग एसेट्स में निवेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बॉन्ड में कम निवेश करने और पोर्टफोलियो का लगभग 10% से 15% हिस्सा सोने और थोड़ा बिटकाइन में रखने से रिस्क कम हो सकता है और रिटर्न बढ़ सकता है। इलूड मार्केट्स की एनालिस्ट रेचल लुकास ने कहा, रशिसकी मुख्य वजह वर ट्रेजरी द्वारा लंबे समय वाले बॉन्ड की बायबैक को दोगुना करना था, जिससे लॉन्ग यील्ड कम हो गई और बड़े पैमाने पर रिस्क लेने की इच्छा बढ़ गई। बिटकाइन के लॉन्ग-टर्म मामले में कोई बदलाव नहीं आया है, लेकिन इसकी अस्थिरता (वोलैटिलिटी) में भी कोई बदलाव नहीं आया है।

शर्मनाक हार से सबसे नीचे खिसका पाकिस्तान

नई दिल्ली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) में हालात ऐसे बन रहे हैं कि हर टेस्ट मैच के नतीजे का सीधा असर टीमों की फाइनल की रेस पर पड़ रहा है. ऐसे में पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ पारी में 103 रन से शर्मनाक हार मिली है.

इस हार के बाद पाकिस्तान वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की टेबल में सबसे नीचे चला गया है. टीम की हठ्ठ फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें अब लगभग खत्म हो गई हैं. वहीं इंग्लैंड को इस जीत से फायदा हुआ है, जबकि बाकी टीमों की पोजीशन पर कोई असर नहीं कर सकी. इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में



पाकिस्तान की टीम पूरी तरह बिखरी नजर आई. मेजबान टीम ने मुकाबले पर शुरूआत से पकड़ बनाए रखी और पाकिस्तान को दोनों पारियों में बड़ा स्कोर बनाने का मौका नहीं

दिया. इंग्लैंड की दमदार बल्लेबाजी के बाद पाकिस्तान पहली पारी में पिछड़ गया और दूसरी पारी में भी टीम वापसी नहीं कर सकी. नतीजन पाकिस्तान टीम पारी और 103 रनों

के बड़े अंतर से मैच हार गई.

WTC फाईंट्स टेबल में सभी 9 टीमों की रैंकिंग

- ऑस्ट्रेलिया
- दक्षिण अफ्रीका

3 साल तक भागता रहा, भारतीय खिलाड़ी इग केस में गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारत के पूर्व राष्ट्रीय स्तर के पहलवान अमित को करीब तीन साल बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. रांची में दर्ज एक इग केस में आरोपी अमित लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था. पुलिस के मुताबिक, वह 2023 से फरार चल रहा था और उसकी तलाश की जा रही थी. हरियाणा के रोहतक निवासी अमित का कुश्ती से भी जुड़ा रहा है. उन्होंने 2013 की राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया था. हालांकि, इसके बाद उनका नाम एक कथित इग नेटवर्क से जुड़े मामले में सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की. मामला अप्रैल 2023 में रांची के घुर्घा थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था. पुलिस ने ठञ्जर एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए करीब 500 ग्राम प्रतिबंधित नशीला पदार्थ बरामद करने की बात कही थी. जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को अमित के कथित तौर पर इस मामले से जुड़े होने की जानकारी मिली. लगातार तलाश के बावजूद अमित करीब तीन साल तक पुलिस के हाथ नहीं लगा. जांच के दौरान पुलिस को उसके दिल्ली में होने की सूचना मिली. इसके बाद रांची पुलिस ने दिल्ली पुलिस की मदद से उसे पकड़ने की योजना बनाई. पुलिस टीम ने 18 अगस्त 2026 को दिल्ली के रोहिणी इलाके में मधुबन चौक के पास कार्रवाई की और अमित को गिरफ्तार कर लिया.



मुख्यमंत्री डॉ. यादव पीतल शिल्पकार के घर पहुंचे



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के दौरान टीकमगढ़ के प्रसिद्ध पीतल शिल्पकार श्री लक्ष्मीनारायण सोनी के घर पहुंचे। उन्होंने पारंपरिक पीतल शिल्पकला की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर शिल्पकारों के कौशल की सराहना की।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने उद्यम संवाद कार्यक्रम में जिले के उद्यमियों, निवेशकों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद कर औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन तथा स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने पर विस्तार से चर्चा की।

रैरैया मोहल्ला स्थित शिल्पकार के आवास पर मुख्यमंत्री ने पीतल से निर्मित देवी-देवताओं की मूर्तियों एवं अन्य कलात्मक उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि

ग्वालियर में महिला को पति, सास-ससुर ने कमरे में बंद कर बेरहमी से पीटा, आरोपी घर छोड़कर भागे



ग्वालियर। पड़ाव क्षेत्र में रहने वाली महिला के साथ उसके पति और सास-ससुर ने बेरहमी से मारपीट की। इसके बाद आरोपी घर में बंद कर भाग निकले। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

थाना प्रभारी शैलेन्द्र भागव ने बताया कि गायत्री जाटव को उसका पति देवेन्द्र चौकोटिया और सास-ससुर परेशान करते हैं। यह लोग आएदिन मारपीट करते हैं। इसके चलते वह अपने पिता को बुला लेती थी। इसी बात पर पति और सास-ससुर ने कमरे में बंधक बनाया। फिर जमकर मारपीट की। मारपीट कर यह लोग उसे घर में ही बंद कर भाग गए। उसने अपने पिता को फोन लगाया। पिता ने बाहर निकाला फिर यह लोग एफआईआर कराने थाने पहुंचे। ग्वालियर के पड़ाव इलाके में बीच सड़क पर बेल्ट से मारपीट का मामला सामने आया है। एक युवक को घेरकर बदमाशों ने पीटा। इस घटना का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हो रहा है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

बरगी बांध के 13 गेट खोले गए, उफान पर नर्मदा, 25 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट

जबलपुर। सावन के महीने में जारी मूसलाधार बारिश से जबलपुर और आसपास का पूरा इलाका जलमग्न हो गया है। कैचमेंट एरिया (मंडला और डिंडोरी) में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण बरगी बांध लबालब भर गया है।

बांध के 13 जलद्वारों (गेट्स) से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे नर्मदा नदी में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। जबलपुर के गौरीघाट, तिलवारा, लम्हेटा और भेड़ाघाट समेत तमाम तटीय क्षेत्र पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं।

पन्ना-छतरपुर के प्रभावित गांवों के घर-घर पहुंचकर परिवारों की कठिनाइयों को समझें : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व की केन-बेतवा लिंक परियोजना बुदिलखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। परियोजना से क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल और ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि विकास के साथ प्रभावित और विस्थापित परिवारों के हितों का पूरा ध्यान रखना सरकार की प्राथमिकता है।

घर-घर पहुंचकर प्रभावित परिवारों की समस्याएं समझें अधिकारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना एवं छतरपुर जिला प्रशासन की निर्देश दिए कि प्रभावित गांवों में अधिकारी घर-घर पहुंचकर परिवारों की

वास्तविक स्थिति और समस्याओं को समझें। जनजातीय परिवारों की कठिनाइयों को संवेदनशीलता से निराकरण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विस्थापित परिवारों को शासन की पात्र योजनाओं का लाभ उनके घर तक पहुंचाया जाए। जहां परिवारों ने नए स्थान पर निवास बना लिया है, वहां स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक भवन सहित जरूरी मूलभूत सुविधाओं के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. ने पन्ना की रूई-मझगांव परियोजना में स्वीकृत अतिरिक्त राशि का प्रभावितों को शीघ्र भुगतान कराने के निर्देश दिए। जिन प्रभावितों के पास उभ्र संबंधी

जबलपुर के रास्ते दौड़ेगी नई 'अमृत भारत एक्सप्रेस'

22 कोच वाली ट्रेन से नॉर्थ-साउथ इंडिया का सफर होगा आसान		
जबलपुर। रेल यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने धनबाद और कोयंबटूर के बीच एक नई साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 22 अगस्त से नियमित रूप से पटरी पर दौड़ने लगेगी।	शनिवार को और कोयंबटूर से 25 अगस्त से प्रत्येक मंगलवार को संचालित होगी। मध्य प्रदेश के यात्रियों के लिए राहत की बात यह है कि पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया और इटारसी स्टेशनों पर इसका ठहराव दिया गया है।	एक्सप्रेस में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें 8 स्लीपर और 11 जनरल (सामान्य) कोच शामिल हैं। यह ट्रेन पारसनाथ, गया, देहरी ऑन सोन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नागपुर, बल्लारशाह, वारंगल, विजयवाड़ा, गुडूर, रेणगुंटा, सेलम और तिरुप्पुर के रास्ते अपनी दूरी तय करेगी। इस ट्रेन के शुरू होने से उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सफर करने वाले यात्रियों को एक सुगम और आधुनिक विकल्प
यह ट्रेन धनबाद से प्रत्येक	ट्रेन की संरचना और प्रमुख मार्ग	इस आधुनिक अमृत भारत

मुख्यमंत्री ने गोशालाओं को डीबीटी से वितरित की 109.79 करोड़ रुपये की अनुदान राशि

गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार गौवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं बेहतर व्यवस्थापन के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में संचालित 3,212 पंजीकृत गोशालाओं में 5.20 लाख से अधिक गौवंश के भरण-पोषण एवं व्यवस्थापन के लिए नियमित रूप से अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गोशालाओं में उपलब्ध गौवंश के भरण-पोषण के लिये दिए जाने वाले अनुदान को बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में गोशालाओं को अनुदान वितरण के लिए 620.50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार



द्वारा गोशालाओं के बेहतर संचालन और गौवंश के समुचित संरक्षण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गोशालाओं को अनुदान प्रदाय करने की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनाने के लिए सिंगल क्लिक डीबीटी प्रणाली लागू की गई है। इसके माध्यम से

अनुदान की राशि सीधे गोशालाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। इससे भुगतान व्यवस्था में पारदर्शिता के साथ समयबद्धता एवं सुशासन सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने बताया कि सरकार गठन से अब तक प्रदेश में 1 हजार से अधिक नवीन गोशालाओं का संचालन प्रारंभ किया जा चुका है, जिनमें 2 लाख से अधिक गौवंश का व्यवस्थित व्यवस्थापन

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिला अस्पताल की वॉर्मर मशीन में लगी आग, तीन नवजात झुलसे, तीनों जबलपुर मेडिकल रेफर

छिंदवाड़ा। जिला अस्पताल से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में रखी वॉर्मर मशीन में आग लग गई।

स्पाकिंग के साथ लगी इस आग से वॉर्मर मशीन में रखे तीन नवजात बच्चे झुलस गए हैं, जिसके बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और बच्चों को तत्काल जबलपुर रेफर किया गया है।

सिविल सर्जन कंचन दुबे ने



बताया, नवजात बच्चों को जन्म के बाद शरीर का तापमान सामान्य

बनाए रखने और गहन देखभाल के लिए वॉर्मर मशीन में रखा जाता है।

रात में वॉर्मर की हीटिंग यूनिट के फिलामेंट में अचानक स्पाकिंग हुई,

जिसके बाद आग लग गई। आग की चपेट में आने से वॉर्मर में मौजूद तीनों नवजात गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

दो डॉक्टरों की निगरानी में रेफर

हादसे के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल चिकित्सकों और अस्पताल स्टाफ ने बच्चों को वॉर्मर से बाहर निकालकर उपचार शुरू किया गया लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तीनों नवजातों को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बच्चों

को दो डॉक्टरों की निगरानी में जबलपुर भेजा गया है।

एक नवजात गंभीर सिविल सर्जन के अनुसार, तीनों बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेफर किया गया है। इनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे सर्जरी की आवश्यकता है। छिंदवाड़ा में पीडियाट्रिक सर्जन उपलब्ध नहीं होने के कारण बच्चे को जबलपुर रेफर करना पड़ा। हादसे के बाद अस्पताल प्रबंधन ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

उप मुख्यमंत्री ने जलमग्न क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का लिया जायजा

भोपाल। जिले में बीते दिवस हुई मूसलाधार बारिश के चलते रीवा नगर निगम क्षेत्र के कई निचले और प्रमुख मोहल्लों में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए। बारिश का पानी रिहायशी इलाकों में पहुंचने से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। हालांकि बारिश थमने के बाद अब जलस्तर में धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें मुस्तैद हैं। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने सुबह होते ही स्वयं जलमग्न क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित मोहल्लों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों के घरों तक पहुंचकर जलभराव से हुए नुकसान का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। प्रभावितों से संवाद करते हुए उप मुख्यमंत्री ने उन्हें ढाढ़स बंधाया और कहा कि शासन से अपाद पूर्ण तरह से आपके साथ खड़ा है। आम जनता की हर कठिनाई को दूर किया जाएगा। प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न राहत शिविरों का निरीक्षण कर वहां ठहराए गए प्रभावित लोगों से बातचीत की और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जलभराव वाले मोहल्लों से अप्रिवल पानी निकासी सुनिश्चित की जाए।